अवध की आवाज

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

www.avadhkaawaz.com

वर्ष–10 अंक–179 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ शनिवार 30 अक्टूबर 2021 पृष्ठ – 8 मूल्य–3 रूपया

संक्षिप्त समाचार

तीन वारंटी गिरफ्तार

उन्नाव। पुलिस अधीक्षक महोदय उन्नाव के कुशल मार्गदर्शन एवं अपर पुलिस अधीक्षक उन्नाव व क्षेत्राधिकारी महोदय हसनगंज के कुशल पर्यवेक्षण में वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना हसनगंज पुलिस द्वारा दिनांक 29.10.2021 को 03 वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया।

भाजपा को सत्ता से हटाने के लिए निकाल रहे हैं सामाजिक परिवर्तन यात्राः शिवपाल यादव

बिजनौर(वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश में सामाजिक परिवर्तन यात्रा निकाल रहे प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल यादव ने यहां कहा कि उनकी पार्टी प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को सत्ता से हटाने के लिए एक राष्ट्रीय पार्टी से गठबंधन करेगी। शिवपाल यादव ने शुक्रवार को संवाददाताओं से कहा, ''भारतीय जनता पार्टी की उत्तर प्रदेश सरकार ने कोई वादा पूरा नहीं किया। इनके सभी वादे झूठे निकले।'' उन्होंने कहा कि हर वर्ग राज्य सरकार से परेशान है।। उन्होंने कहा कि भाजपा को सत्ता से हटाने के लिए उनकी पार्टी सामाजिक परिवर्तन यात्रा निकाल रही है। किसी दल का नाम लिए बिना यादव ने कहा कि प्रगतिशील समाजवादी पार्टी प्रदेश के विधानसभा चुनाव में एक राष्ट्रीय पार्टी से गठबंधन करेगी जिससे विपक्ष मजबूत होगा। यादव ने कहा कि सभी समान विचारधारा वाले छोटे–बड़े धर्मनिरपेक्ष दलों को गठबंधन करना चाहिए।

अज्ञात कारणों के चलते छात्र फांसी पर झूला

पिरौना (जालौन) एट थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बिरासिनी में अज्ञात कारणों के चलते 16 वर्षीय छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या की जानकारी के अनुसार पवन प्रजापति पुत्र कृष्ण स्वरूप उम्र 16 वर्ष कक्षा 11 सरस्वती विद्या मंदिर का छात्र था ननिहाल बिरासनी में कामता प्रसाद प्रजापति के यहां बचपन से रहता था नाना के अनुसार पवन की मां सुनीता की शादी (हरौली) माधौगढ़ कृष्ण स्वरूप प्रजापति से की थी शादी के कुछ साल बाद अपनी पत्नी सुनीता को घरेलू विवाद के चलते चाकुओं से कई जगह घायल किया था इसके पश्चात सुनीता के पिता ग्राम बिरासिनी बच्चों सहित लेकर आए समय गुजरने के बाद कृष्ण स्वरूप के छोटे भाई के गुजर जाने के कारण सुनीता को बिरासिनी से अपनी ससुराल हरौली जाना पड़ा मौका पाते ही कृष्ण स्वरूप ने सुनीता को जान से मार दिया जिससे वह जेल में सजा काट रहा है।

महंगे पेट्रोल-डीजल की मार झेल रहे लोगों को योगी सरकार की सौगात

अवध कीप आवाज

लखनऊ। पेट्रोल–डीजल की बढ़ती कीमत से नाराज जनता को राहत देने के लिए

उत्तर प्रदेश सरकार वैट की दर कम करने का निर्णय ले सकती है। चूंकि, विधानसभा चुनाव अगले कुछ महीनों में होने हैं। इसलिए सरकार इस पर जल्द फैसला ले सकती है। इससे पहले लोकसभा चुनाव के दौरान भी योगी सरकार ने वैट की दर घटा दी थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वाणिज्य कर और वित्त विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर इस पर चर्चा की है पेट्रोल–डीजल से वर्तमान में सरकार को हर महीने 2000 करोड़ रुपए का राजस्व मिल रहा है। बीते कुछ महीनों में पेट्रोल–डीजल की कीमत बढ़ने से महंगाई चरम पर पहुंच गई है। माल भाड़ा बढ़ने से सब्जी, राशन, दूध के साथ ही जरूरत की हर वस्तु के दाम बढ़ गए हैं। प्रदेश की जनता लगातार बढ़ती महंगाई से परेशान है और सरकार से नाराज भी है. विपक्ष भी महंगाई को लेकर लगातार सरकार पर हमला कर रहा है। आने वाले विधानसभा चुनाव में महंगाई एक बड़ा मुद्दा रहेगी।

स्मार्ट फोन से लैस हुई आंगनबाड़ी कार्यकत्री, काम में आएगी तेजी

विकास भवन में आयोजित समारोह में 100 आंगनबाड़ी कार्यकत्री को वितरित किए गए स्मार्ट फोन

अवध की आवाज

उरई (जालौन) आंगनबाड़ी कार्यकर्ता अब स्मार्ट फोन से लैस होगी। वह मौके पर जाकर सरकारी योजनाओं के प्रचार और हकीकत को स्मार्ट फोन के माध्यम से दिखा सकती है। इससे उनके काम में सहूलियत होगी। जिले की सौ आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को शुक्रवार को एक समारोह के दौरान स्मार्ट फोन वितरित किए गए। विकास भवन में आयोजित स्मार्ट फोन वितरण समारोह में जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता फ्रंटलाइन वर्कर होती है। ऐसे में उनका समुदाय से सीधे जुड़ाव होता है। वह सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन पूरी जिम्मेदारी से करती है। उन्होंने बताया कि विभागीय योजनाओं के प्रचार प्रसार के साथ कोरोना वैक्सीन में भी उन्हें जिम्मेदारी निभाकर शत प्रतिशत वैक्सीनेशन का काम कराना है। जिले में अभी करीब 65 प्रतिशत को पहली डोज लगी है। इसे शत प्रतिशत करने के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ता जुट जाए। उनकी विभागीय समस्याओं का समाधान कराया जाएगा। सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा और कालपी विधायक नरेंद्र पाल सिंह जादौन ने कहा कि सरकार आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को स्मार्ट बना रही है।

उन्हें दिवाली के पहले स्मार्ट फोन देकर एक तोहफा देने का काम किया है आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सरकारी योजनाओं का लाभ पात्रों को दिलाने का काम करें। पोषण अभियान को सफल बनाए संचालन कर रहे जिला कार्यक्रम अधिकारी इफ्तेखार अहमद ने बताया कि जिले की सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को स्मार्ट फोन से सुसज्जित किया जाएगा। इसके बाद उन्हें ब्लाकवार प्रशिक्षण देकर दक्ष बनाया जाएगा। आंगनबाड़ी कार्यकत्री रानी कुशवाहा, आसमा परवीन ने कहा कि उन्हें आज स्मार्ट फोन मिल गया है। उन्होंने बताया कि जिले में 1815 आंगनबाड़ी केंद्रों के सापेक्ष 1795 स्मार्ट फोन आए हैं। जल्द अवशेष भी आ जाएंगे। अब वह अपना काम पूरी जिम्मेदारी से निभा सकेगी। यही नहीं स्मार्ट फोन से उन्हें काम में सहूलियत होगी। इस दौरान सांसद प्रतिनिधि रविकांत द्विवेदी, मुख्य विकास अधिकारी डा. एके श्रीवास्तव, सीडीपीओ शहर विमलेश आर्या, पटल सहायक रमाकांत दोहरे, आदर्श तिवारी सहित सभी सीडीपीओ और विभागीय कर्मचारी मौजूद रहे।

किरायेदारों के लिए लगाये गये शिविर के पांचवे दिन 16 लोग आये एवं अम्मार ग्रीन सिटी नाम से संचालित अवैध प्लाटिंग को किया ध्वस्त

अवध की आवाज

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण के भूतल स्थित

कमेटी हाल में 02 नवम्बर, 2021 तक किरायेदारों के लिए विशेष शिविर लगाया गया है। शिविर में आज 16 लोगों ने अपनी सम्पत्तियों का किराया/विक्रय मूल्य जमा करने के साथ ही रजिस्ट्री से सम्बन्धित प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त की। लखनऊ विकास प्राधिकरण के विशेष कार्याधिकारी राजीव कुमार ने बताया कि आज 14 लोगों ने सम्पत्तियों का किराया/विक्रय मूल्य जमा किया। वहीं, 2 किरायेदारों ने अपने पक्ष में निबन्धन कराने हेतु आवेदन किया। आज प्राधिकरण कोष में लगभग 1.40 लाख जमा कराया गया। प्राधिकरण द्वारा अपने किरायेदारों को व्यक्तिगत रूप से सम्पर्क कर शिविर में आकर लाभ उठाने के लिए आमंत्रित किया गया है। शिविर में प्राधिकरण के अपर सचिव ज्ञानेन्द्र वर्मा व उप सचिव माधवेश कुमार सहित योजनाओं के अधिकारी/योजना सहायक भी उपस्थित रहे। लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी द्वारा लखनऊ शहर में अवैध निर्माणों के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही जारी रखने के निर्देशों के क्रम में आज प्रवर्तन, जोन–4 के विहित प्राधिकारी ने बताया कि थाना–मड़ियांव के अन्तर्गत सुऐब खान व अन्य द्वारा ग्राम–अल्लूनगर, डिगुरिया, लखनऊ पर अम्मार ग्रीन सिटी नाम से बिना मानचित्र स्वीकृत कराये अनाधिकृत रूप से अवैध प्लाटिंग का कार्य तथा स्थल पर साइट ऑफिस का निर्माण कार्य

किये जाने पर अवर अभियंता ज्ञानेश्वर सिंह, सुरेन्द्र द्विवेदी, संजय मिश्रा व आर.एन.सिंह द्वारा प्राधिकरण व क्षेत्रीय पुलिस बल की सहायता से ध्वस्त किया गया।

आतिशबाजी के विक्रय एवं प्रयोग के सम्बन्ध मे विस्तृत दिशा निर्देश जारी

अवध की आवाज

लखनऊ। राज्य सरकार द्वारा मा0 सर्वोच्च न्याायलय के निर्देशों के अनुपालन में हरित पटाखों के विक्रय व उपयोग के सम्बन्ध में दिशा निर्देश जारी करते हुए कहा गया है कि जिस क्षेत्र की वायु गुणवत्ता मॉडरेट अथवा बेहतर होगी वहां सम्बन्धित अधिकारियों द्वारा हरित पटाखों का विक्रय व उपयोग अनुमन्य किया जा सकता है।अपर मुख्य सचिव, गृह श्री अवनीश कुमार अवस्थी ने बताया है कि आतिशबाजी (फायर क्रेकर्स) के बिक्री/प्रयोग के सम्बन्ध मे विस्तृत दिशा निर्देश प्रदेश के समस्त जिला व पुलिस प्रशासन के अधिकारियों को जारी किये गये है। निर्देशों में कहा गया है कि मा0 एनजीटी द्वारा पारित आदेश तथा मा0 सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश के अधीन कोविड–19 महामारी की परिस्थिति के दृष्टिगत प्रदेश के अन्तर्गत हरित पटाखों का विक्रय एवं निर्धारित समय सीमा के अन्दर उपयोग अनुमन्य किया गया है। उल्लेखनीय है कि उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा प्रदेश के 27 शहरों में वायुगुणवत्ता का अनुश्रवण किया जा रहा है। इस वर्ष 2021 में माह जनवरी से सितम्बर तक प्रदेश के समस्त शहरों यथा–लखनऊ, कानपुर, आगरा, सोनभद्र, गजरौला, गाजियाबाद, हापुड़, वाराणसी, नोएडा, फिरोजाबाद, झांसी, खुर्जा, प्रयागराज, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, रायबरेली, मथुरा, सहारनपुर, गोरखपुर, उन्नाव, ग्रेटर नोएडा, मुज्जफ्फर नगर, बागपत, बुलन्द शहर अलीगढ़ व अयोध्या में वायु गुणवत्ता का स्तर माडरेट पाया गया है।

आज के कतिपय पत्रकार पुलिस व दारोगा व प्रशानिक अमला व लोगो से अपने को जताने मे है मशगुल

अवध की आवाज

गोंडा। जैसा की ज्ञात है या दृष्टिगत है व प्रत्यक्ष दिख रहा है कि वर्तमान में पत्रकार लोग अपने आप को अधिकारियों से तालमेल रखने में अपना बहुत बड़ा वर्चस्व समझ रहे हैं जबकि जब देश गुलाम था तब ऐसी पत्रकारिता नही थी। साथियों जब देश गुलाम था तब हमारा पत्रकार आजाद हुआ करता था पर आज इसे ठीक विपरीत स्थिति बनी हूई है व इसके जिम्मेदार हम सब तो है ही जो मिडिया घराने है वह पत्रकारो को गुलामी की जंजीरो मे जकड़

कर रख दिए है।आज हम अपनी निजी जरूरतो को लेकर इस कदर पत्रकारिता के स्वरूप को बिगाड़ चुके है जिसका आकलन करने की जरूरत है।कल के पत्रकार की कलम लिखते समय नही रूकती थी पर आज डिजिटल क्रांति की दुनिया मे हम लिखते लिखते रूक जाते है।आज पत्रकारो को डर अपनो से है परायो से नही।जब संसाधन नही थे तब हम खराब व्यवस्था पर कुठाराघात करते थे पर आज संसाधनो के बीच हम राह से भटकते जा रहे है।आज चंद लोग पत्रकार व कलाकार की ताकत को कम करना चाहते है। पत्रकारिता ने जब जब व्यावसायिक रूप धारण किया पत्रकारो की परेशानियां बढ़ी।पहले खबरे पाठको पर आधारित होती थी पर आज कारोबारियो व विज्ञापन दाताओ के अनुरूप खबरो को करने की परिपाटी आ गयी है। आज उच्च अदालते भी पत्रकारिता पर सवाल खड़े करती है।आज बदलते परिवेश के बीच पत्रकारिता करनी है।हमे लोगो को जागरूक करने की राह भटक गये है।आज सकारात्मक तरीके से सोच बदलकर पत्रकारिता के गरिमा को बचाना होगा।तब हम लोकतंत्र के चौथे पाये को मजबूत करने के भागीदार बनेगे।या यूं कहे कि आज का पत्रकार समाचार व पत्रकार क्या होता है उससे विमुख होता जा रहा है।'

समय से पहुंचकर एम्बुलेंस कर्मियों ने जच्चा-बच्चा की बचाई जान

बाढ़ प्रभावित गाँव में भी पहुंचने से नहीं हिचकिचाते एम्बुलेंस कर्मी

अवध की आवाज ब्यूरो

लखीमपुर। बाढ़ प्रभावित हमारे गाँव में अगर समय से एम्बुलेंस – 102 नहीं आती तो पता नहीं क्या होता। एम्बुलेंस कर्मी तो हमारे लिए भगवान के समान हो गए हैं। यह कहना है पलिया ब्लॉक के खुशीपुर निवासी सत्येन्द्र यादव का। उन्होंने बताया – पत्नी मीरा देवी को प्रसव पीड़ा शुरू हुई। गाँव में निजी वाहन के लिए बात की लेकिन कोई भी इस बाढ़ की स्थिति में अस्पताल जाने के लिए तैयार नहीं हुआ। इस परिस्थिति में यह भूल गया कि आशा कार्यकर्ता गीता ने एम्बुलेंस के बारे में बताया था। गाँव के कुछ अन्य लोगों ने एम्बुलेंस 102 पर कॉल करने की सलाह दी। कॉल करने के 15 मिनट बाद ही एम्बुलेंस पहुँच गई। एम्बुलेंसकर्मियों की वजह से मेरे बच्चे का सुरक्षित जन्म हुआ और आज माँ और बच्चा दोनों सकुशल हैं। सत्येन्द्र की पत्नी मीरा देवी का 19 अक्टूबर को एम्बुलेंस में प्रसव हुआ था। इमरजेन्सी मेडिकल टेक्नीशियन (ईएमटी) पीयूष मिश्रा बताते हैं दृ बाढ़ की स्थिति में काम करना मुश्किल होता है लेकिन ऐसे में ही हमारी परीक्षा होती है। खुशीपुर गाँव से फोन आने के 15 मिनट के भीतर हम लाभार्थी के घर पहुंचे तो हमने पाया कि महिला की स्थिति ठीक नहीं है। वह एनीमिया से ग्रसित तो थी ही साथ में उसके गर्भ में बच्चा उल्टा था। तुरंत ही अस्पताल के लिए रवाना हुए लेकिन अस्पताल पहुँचने तक का इंतजार नहीं कर सकते थे। ऐसे में रास्ते में एम्बुलेंस में ही प्रसव कराने का निर्णय लिया। विषम परिस्थितियों में धैर्य न खोते हुए काम को सकुशल करने का प्रशिक्षण दिया गया है। ऐसे में हमने अपने पायलट सुनील कुमार और आशा कार्यकर्ता गीता की मदद से सकुशल बच्चे का जन्म करवाया और फिर उसे सीएचसी पलिया पहुंचाया। आज जच्चा और बच्चा दोनों ही सकुशल हैं। एम्बुलेंस सेवा के जिला प्रभारी प्रवीण बताते हैं– लगभग 10 दिन पहले नेपाल से 4,61,788 क्यूसेक पानी छोड़ा गया था जिसकी वजह से जनपद के कई गाँव समेत सामुदायिक और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जलमग्न हो गए थे। प्रशासन के आदेश पर बाढ़ग्रस्त क्षेत्र में 102 और 108 एम्बुलेंस को लगा दिया गया। हम लगातार लोगों को सेवाएं दे रहे हैं। इस माह हमने कुल 10,687 महिलाओं को 102 की सुविधा का लाभ दिया है जबकि 19 अक्टूबर से अभी तक कुल तीन प्रसव बाढ़ग्रस्त इलाके में हमारे ईएमटी द्वारा एम्बुलेंस में सकुशल कराए गए हैं।

ट्रेडवार कौशल वृद्धि प्रशिक्षण द्वितीय चरण 29 अक्टूबर से आगामी 1 नवंबर तक

अवध की आवाज ब्यूरो

मनकापुर गोंडा। उपायुक्त, उद्योग जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र गोंडा ने सूचित किया है कि विश्वकर्मा श्रम सम्मान टूलकिट एवं प्रशिक्षण योजना अंतर्गत जनपद में कौशल वृद्धि प्रशिक्षण हेतु द्वितीय चरण में प्रशिक्षण प्रदान किए जाने के संबंध में लक्ष्य– दर्जी, बढ़ई, लोहार, हलवाई, राजमिस्त्री, कुम्हार कुल 06 ट्रेनों में प्राप्त हुआ है। द्वितीय चरण का प्रशिक्षण ट्रेडवार 11:30 बजे से 4:00 बजे तक, दर्जी 29 अक्टूबर, 2021 को, हलवाई 30 अक्टूबर 2021 को, बढ़ई, लोहार, कुम्हार व राजमिस्त्री का 01 नवंबर 2021 को होगा। उपायुक्त, उद्योग जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र ने सभी अभ्यर्थियों से अपेक्षा की है कि साक्षात्कार में अपने सभी मूल अभिलेखों के साथ नियत तिथि पर समय पूर्वाहन 11:30 बजे कार्यालय, उपायुक्त उद्योग जिला उद्योग प्रशासन एवं उद्यमिता विकास केंद्र गोंडा में उपस्थित हो।

सम्पादकीय

तंत्र में स्व को स्थापित करने का समय

अमश्त महोत्सव में स्वतंत्रता के संघर्ष और उसके सुफल की चर्चा की जा रही है। यह अवसर अंग्रेजों की तीन सौ साल से अधिक की दासता को याद करते हुए भारतीय स्वाधीनता की ललक को याद करने का है। ऐसी स्मश्तियां हमारी चेतना की गवाही देती हैं और उसे जाग्रत रखने में सहायक होती हैं। इसके लुप्त या क्षीण होने पर ही पराधीनता या मूल्यों के अपहरण की नौबत आती है। क्या हम स्वतंत्रता के समारोह आयोजित करके ही अपनी स्वाधीनता को कायम रखने की शक्ति–सामर्थ्य पा जाएंगे?

असल में केवल स्वतंत्रता ही इसकी गारंटी नहीं है। निश्चित ही हमने स्वतंत्रता को जीवन की अनेक कठिनाइयां झेलकर पाया है। हमारी पीढ़ियों के बलिदान ने आज हमें अपनी हवा में सांस लेने और फलने–फूलने का अवसर उपलब्ध कराया है। इसलिए यह हमारे राष्ट्र जीवन की अमूल्य निधि और ऐतिहासिक उपलब्धि है। लेकिन यही राष्ट्रजीविता की कुंजी नहीं हो सकती। राष्ट्रजीवन 'स्व' का तंत्र स्थापित करने मात्र से संजीवनी नहीं पा जाता बल्कि उसके लिए 'स्व' की हर क्षेत्र में सत्ता और महत्ता की जरूरत है। चाहे वह मन का क्षेत्र हो या जीवन से जुड़े अन्य क्षेत्र जो सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक सभी हैं। इनमें स्व को अनुभूत, प्रयोगसिद्ध और प्रतिष्ठित करने की आवश्यकता है।

स्वतंत्रता का आंदोलन संपूर्ण 'स्वबोध या स्वत्व' को लेकर चला था। लेकिन धीरे–धीरे इसका संकेन्द्रण 'स्व के शासन तंत्र' पर हो गया। तत्कालीन परिस्थितियों में यह विचार भी गैरवाजिब नहीं था कि पहले हमें स्वयं का तंत्र स्थापित करना होगा, तदनंतर हम अन्य क्षेत्रों में स्वायत्तता अथवा स्वदेशी व्यवस्थाएं व विचार को प्रस्थापित कर सकेंगे। इसलिए कांग्रेस आंदोलन का पूरा एजेंडा विदेशी तंत्र को उखाड़ कर स्व–तंत्र लाने का रहा। क्रांतिकारी भी इसी दृष्टिकोण पर काम कर रहे थे। यद्यपि उनमें भी भगत सिंह जैसे लोग वैचारिक धरातल खोजने की पहल करते दिखते हैं। वैसे ही स्वतंत्रता आंदोलन में महात्मा गांधी स्वानुभूति, स्वत्व या स्व के समावेश के लिए सक्रिय दिखते हैं। कांग्रेस आंदोलन में वही एकमात्र व्यक्ति हैं जो स्व की चिंता को सर्वोपरि रखते हुए उसके लिए समांतर कोशिश करते हैं।

यद्यपि स्वतंत्रता आंदोलन में कांग्रेस और क्रांतिकारी धारा के अलावा एक समांतर धारा बराबर ऐसी चल रही थी जो इसी स्वत्व के प्रति काम कर रही थी। उसका विचार दूरगामी था। वह मानती थी कि सत्ता प्राप्त करने के लिए भारतीय स्वत्व को तो जगाना ही होगा, इसे चिरस्थायी करने के लिए भी स्वत्व को केन्द्र में रखना होगा। वरना सत्ता या स्वतंत्रता स्थायी नहीं हो सकती। इस धारा को स्वामी विवेकानंद, राजा राममोहन राय, स्वामी दयानंद सरस्वती, डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार जैसी विभूतियां बल देती रहीं। इन्हें अहसास था कि भारतीय गुलामी की बड़ी वजह हमारा स्व भूल जाना था। केवल व्यक्तिगत स्व ही नहीं, समष्टि का स्व, सामूहिकता का स्व, राष्ट्र का स्व। यह स्व भौगोलक सीमाओं के संरक्षण, राजनीतिक सत्ता के अधिकार और सामाजिक संस्थाओं में वर्चस्व से नहीं आ सकता, अपितु यह हमारे अपने मूल्यों, समाज की अंदरूनी शक्तियों और जीवन की अक्षुण्ण व कालजयी परंपराओं से आएगा।

चूंकि स्वतंत्रता आंदोलन की प्रमुख राष्ट्रीय धारा ने सत्ता हस्तांतरण को प्रमुखता से केन्द्र में रखा इसलिए विडंबनापूर्ण ढंग से सत्ता मिलने पर सत्ता संचालन ही उसकी प्राथमिकता बन गया। आजादी के साढ़े सात दशक की समीक्षा करने पर हम यही पाते हैं कि यह पूरा कालखंड सत्ता संचालन की प्रविधियां तय करने का समय है। भौतिक विकास हुआ है लेकिन यह किसी भी सरकार के अस्तित्व की भी शर्त है। लेकिन क्या हमने समाज के स्वरूप को सुधारा, क्या हमने संस्कृति के विलुप्त हुए तत्वों को तलाशा, क्या हमने आत्माभिमान, आत्मगौरव और आत्मानुभूति कराने वाली शिक्षा व्यवस्था, मूल्य प्रणाली और प्रतिमानों को स्थापित किया? जब इस बार ` में सोचते हैं तो निराशा होती है। सरकार बदलने के साथ इसमें सुधार और संशोधन शुरू हुए हैं जो अच्छी बात है। इसकी जरूरत थी। लेकिन ऐसा करना ही पर्याप्त इसलिए नहीं है क्योंकि इन्हें कोई भी नई सरकार आने के बाद या पुरानी के वापस लौटने पर फिर इन्हें स्थगित कर सकती है या निरस्त कर सकती है। उनकी अपनी राजनीतिक बाध्यताएं हो सकती हैं, जैसा हमारा अनुभव है। इसलिए इतिहास बदलने, पाठ्यपुस्तकों में संशोधन करने, पुरानी मूर्तियां हटाकर नई बनाने और पुराने मूर्तिमानों को हटाकर नए प्रतिमान रख देने भर से काम नहीं चलेगा। आत्मबोध के लिए दीर्घकालिक और स्थायी किस्म का काम करना होगा। जिसके मामले में बहुत काम करने की जरूरत है और यह काम सरकारें कम, समाज ज्यादा कर सकता है। हमें यह शिकायत है कि हमारी नई पीढ़ी को आजादी के मूल्य, हमारे समाज की मूल्य परंपरा और राष्ट्रीय गौरव जैसी चीजों से बहुत लेना–देना नहीं है। भाषा के मामले में यह शिकायत ज्यादा गंभीर है। जबकि भाषा हमारी पूरी सांस्कृतिकता को अभिव्यक्त करती है। वह विरासत से जोड़ती है। उसे समझने में सहायक होती है। अपनी भाषा को न समझना एक बात है, जिसे समझाया जा सकता है लेकिन समझने की कोशिश न करना या उसकी जरूरत ही महसूस न करना दूसरी बात है। यह दूसरी बात इसलिए खटकती है कि हमें देशवासियों से संवाद की भाषा की जरूरत महसूस नहीं होती या संवाद–सेतु की अब आवश्यकता नहीं लगती। हमारी अपनी पूंजी लुट रही है और हम उधार की पूंजी से खुश हो रहे हैं। भाषा जैसा हाल हर क्षेत्र में हो रहा है। जब हम अपनी चीज खोकर दूसरे को अपनाते हैं तो हमारे पास अपना कुछ नहीं होता। और अपना कुछ नहीं होने से, जिसे हम अपना स्वत्व कहते हैं, हमारी वैश्विक जगत में क्या पहचान है–यह सोचने का विषय है।

नई पीढ़ी से यदि इस बारे में शिकायत है तो इसके लिए असल में तो हम यानी हमारा समाज ही जिम्मेदार है। इतिहास के बारे में भी यही बात है। हम शिकायत करते हैं कि अंग्रेजों या काले निहित स्वार्थी अंग्रेजों का तैयार किया हुआ सिलेक्टिव इतिहास पढ़ाकर हमारी कई पीढ़ियों को आत्मगौरव और हमारे समाज की अंतर्निहित शक्ति–सामर्थ्य–गौरव के भान से वंचित कर दिया गया। तो इसके लिए समाज भी उतना ही जिम्मेदार है। उसके पास ऐसी संस्थाएं, लोग और उपकरण नहीं थे जो इस काम को कर सकें। अगर ये होते तो शायद सरकारों को भी सही राह पर रखने की कोशिश कारगर होती।

स्वतंत्रता संग्राम की हीरक जयंती स्व बोध, स्व की अनुभूति, स्व के गौरव और स्व के अभिमान की बात करने का समय है। यह स्व ही हमें एक राष्ट्र के रूप में पहचान देगा। आज विदेश जाने वाले बच्चों से वहां जब लोग अपने बारे में पूछते हैं तो अक्सर वे निरुत्तर हो जाते हैं। कुछ अभिभावकों की यह शिकायत हमारी उसी कमी को इंगित करती है। भारत के पास राष्ट्र के रूप में गर्व करने के लिए दुनिया में सबसे ज्यादा धरोहरें हैं। ज्ञान के मामले में हमने पांच हजार साल से गहरे अनुसंधान किए। चार–पांच सभ्यताओं को छोड़कर सभी अपेक्षाकृत नई और परवर्ती हैं। वैयक्तिक उत्थान के मामले में भारत के बराबर आज भी किसी के पास ज्ञान भंडार नहीं है। विश्व के विकसित देशों के विद्वानों ने यहां आकर अपनी जिज्ञासाएं और ज्ञान की भूख शांत की और शेष विश्व को बताया।

प्राचीन परंपराओं और समाज के अध्ययन से पता चलता है कि हमने रंगकर्म, व्याकरण, पुराविज्ञान, चिकित्सा, शिक्षा प्रणाली जैसे तमाम क्षेत्रों में आविष्कार और कतिपय सिद्धांतों का निर्माण किया। लेकिन हमें पराभव याद है, उद्भव और विकास की कहानी नहीं। यह पराभव हमें फिर पराभव ही दे सकता है, जबकि जिजीविषा की कहानियां दुनिया में सिर उठाने का माद्दा देंगी। इसलिए हमें यदि दीर्घजीवी समाज के रूप में जिंदा रहना है और वैश्विक पहचान रखनी है तो अपने स्व को जानना होगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

ईसाई अल्पसंख्यक और भारतीय प्रजातंत्र

–राम पुनियानी–

जैसे–जैसे साम्प्रदायिक राष्ट्रवाद और मजबूत, और मुखर होता जा रहा है वैसे–वैसे धार्मिक अल्पसंख्यकों को डराने–धमकाने और उनके विरूद्ध हिंसा की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। पिछले एक दशक में इस प्रवश्ति में तेजी से वश्द्धि हुई है. मुस्लिम विरोधी हिंसा की चर्चा तो फिर भी होती रहती है किंतु ईसाई समुदाय के खिलाफ हिंसा अनेक अलग–अलग कारणों से अखबारों की सुर्खी नहीं बनती. इसका एक कारण यह है कि ईसाई आबादी बिखरी हुई है और उनके विरूद्ध जो हिंसा की जाती है वह अक्सर बड़े पैमाने पर नहीं होती. ये सभी नागरिकों के एक तथ्यांनवेषण दल के निष्कर्ष हैं जिसने देश के अलग–अलग भागों में ईसाई विरोधी हिंसा का अध्ययन और विश्लेषण किया है. इस दल की रपट में कहा गया है कि "भारत में ईसाईयों के विरूद्ध हिंसा पर नजर रखने वाले मानवाधिकार संगठनों को लगातार इस समुदाय के खिलाफ हिंसा और उन्हें आतंकित किए जाने की घटनाओं की जानकारी मिलती रहती है परंतु मीडिया और यहां तक कि मानवाधिकार के क्षेत्र में काम करने वाले अंतर्राष्ट्रीय संगठनों की नजर इन घटनाओं पर नहीं पड़ती।

इस रपट में उत्तरप्रदेश के विभिन्न जिलों में ईसाईयों के खिलाफ हिंसा की घटनाओं को सूचीबद्ध किया गया है. इसके साथ ही अक्टूबर 2020 में रूड़की में चर्च पर हमले की घटना की जांच के निष्कर्ष भी शामिल हैं. रपट कहती है कि इस मामले में पुलिस को पूर्व सूचना दी गई परंतु इसके बाद भी पुलिस ने कोई कार्यवाही नहीं की. हमला शुरू होने के बाद पुलिस को सूचना दी गई परंतु वह तब पहुंची जब हमलावर अपना काम करके जा चुके थे. ईसाईयां और उनके धार्मिक स्थलों पर हमलों का उद्धेश्य इस आख्यान को मजबूती देना है कि ईसाई मिशनरियां हिन्दुओं का धर्म परिवर्तन करवा रही हैं।

रपट में देश के विभिन्न भागों में इस तरह की घटनाओं के विवरण संकलित किए गए हैं. इस वर्ष ऐसी घटनाएं अनेक स्थानों पर हुईं जिनमें शामिल हैं मऊ (10 अक्टूबर), इंदौर (26 जनवरी), शाहजहांपुर (3 जनवरी), कानपुर (27 जनवरी), बरेली (16 फरवरी), अम्बेडकरनगर (21 फरवरी), प्रयागराज (25 फरवरी), कानपुर (3 मार्च), आगरा (14 मार्च), केरल (22 मार्च), महाराजगंज (19 अप्रैल), बिजनौर (23 जून), गोंडा (25 जून), आजमगढ़ (25 जून), रामपुर (26 जून), रायबरेली (28 जून), शाहजहांपुर (29 जून), औरैया (29 जून), जौनपुर (3 जुलाई), होशंगाबाद (3 अक्टूबर), महासमुंद (3 अक्टूबर) और भिलाई (3 अक्टूबर). इस सूची से पता चलता है कि इस तरह की घटनाओं में से अधिकांश उत्तरप्रदेश में हो रही हैं। हरियाणा, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी कुछ घटनाएं हुई हैं और एक घटना केरल में हुई है. अधिकांश मामलों में हमला ईसाईयों की प्रार्थना सभाओं पर किया गया. आरोप यह था कि ये सभाएं धर्म परिवर्तन का अड्डा हैं।

बहुसंख्यकवाद के उभार के साथ–साथ धार्मिक अल्पसंख्यकों को नकारात्मक ढ़ंग से प्रस्तुत करने की प्रवश्ति बढ़ती जा रही है। अलग–अलग धार्मिक अल्पसंख्यक समूहों पर अलग–अलग ढ़ंग के आरोप लगाए जाते हैं। ईसाईयों के मामले में मुख्य आरोप यह होता है कि वे हिन्दुओं को लालच, कपट और जोर–जबरदस्ती से ईसाई बना रहे हैं। आज से छःह साल पहले सन् 2015 में जूलियो रिबेरो, जिन्होंने अत्यंत प्रतिबद्धता और ईमानदारी से पुलिस अधिकारी बतौर अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया, ने कहा था कि "एक ईसाई बतौर अचानक मैं अपने आपको इस देश में अजनबी सा महसूस करने लगा हूं। तब से स्थितियां और खराब ही हुईं हैं।

भारत में ईसाई विरोधी हिंसा पर नजर रखने वाले एक संगठन प्रोसीक्यूशन रिलीफ के अनुसार सन् 2020 की पहली छैमाही में देश में ईसाईयों को प्रताड़ित करने की 293 घटनाएं हुईं. इनमें से 6 मामलों का अंत हत्या में हुआ. दो महिलाओं का बलात्कार करने के बाद उनकी हत्या कर दी गई। दो अन्य महिलाओं और एक दस साल की लड़की का इसलिए बलात्कार किया गया क्योंकि उन्होंने ईसाई धर्म त्यागने से इंकार कर दिया। उत्तरप्रदेश इस मामले में ईसाईयां के लिए सबसे बुरा राज्य था। वहां ईसाईयों के खिलाफ नफरत से उद्भूत 63 घटनाएं हुईं।

इस संस्था के संस्थापक शिबू थामस के अनुसार ये केवल वे घटनाएं हैं जिनकी जानकारी उन्हें प्राप्त हुई है। यह भी हो सकता है कि अनेक ऐसी घटनाएं हुईं हों जिनकी जानकारी उन तक न पहुंची हो. चर्चों के लिए काम करने वाली एक अन्य संस्था ओपन डोर्स के अनुसार "ईसाईयों को उनके सार्वजनिक और व्यक्तिगत दोनों जीवन में प्रताड़ित किया जाता है. धर्मांतरण निरोधक कानूनों (जो अभी नौ रांज्यों में लागू हैं) के अंतर्गत उन्हें परेशान किया जाता है. इन कानूनों के अंतर्गत दोषसिद्धी तो बहुत कम लोगों की होती है परंतु सालों तक अदालतों के चक्कर लगाना अपने आप में एक सजा है। भारत उन दस देशों में शामिल है जहां ईसाईयों का रहना 'खतरनाक' है।

कर्नाटक सरकार जल्दी ही धर्मांतरण निरोधक कानून बनाने वाली है. उसने अभी से चर्चों और वहां होने वाले समागमों की जासूसी करवानी शुरू कर दी। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में 1 अक्टूबर को आयोजित एक रैली में स्वामी परमात्मानानंद ने भाजपा नेताओं की मौजूदगी में यह आव्हान किया कि धर्मांतरण में रत अल्पसंख्यकों को चुन–चुनकर मारा जाना चाहिए।

यह आरोप अक्सर लगाया जाता है कि ईसाई मिशनरियां हिन्दुओं को बड़े पैमाने पर ईसाई बना रही हैं परंतु आंकड़े कुछ और ही कहानी कहते हैं। सन् 1971 में ईसाई भारत की आबादी का 2.60 प्रतिशत थे. सन् 2011 की जनगणना के अनुसार उनका प्रतिशत 2.30 था। ईसाईयत को विदेशी धर्म बताया जाता है परंतु सन् 52 में सेंट थामस मलाबार तट पर उतरे थे और तब से भारत में ईसाई धर्म अस्तित्व में है. कुछ ईसाई मिशनरियां खुलकर यह घोषित करती हैं कि उनका उद्धेश्य लोगों को ईसाई बनाना है परंतु उनमें से अधिकांश दूरस्थ इलाकों में और गरीब दलित समुदायों की बस्तियों में स्वास्थ्य और शिक्षा सुविधाएं उपलब्ध करवा रही हैं. ईसाई मिशनरियों द्वारा स्थापित शिक्षण संस्थाएं अपनी गुणवत्ता के लिए जानी जाती हैं. इनमें प्रवेश पाने के लिए कड़ी प्रतियोगिता होती है।

देश में ईसाई विरोधी प्रचार की शुरूआत सन् 1970 के दशक में हुई जब विहिप और वनवासी कल्याण आश्रम ने आदिवासी इलाकां में घुसपैठ करना शुरू किया. गुजरात के डांग में सन् 1998 में हिंसा हुई। स्वामी असीमानंद, जो कई बम धमाकों के आरोपी हैं, ने डांग में शबरी कुंभ का आयोजन किया और शबरी माता मंदिर बनवाए. झाबुआ में आसाराम बापू (जो अब जेल में हैं) के समर्थकों ने इसी तरह के आयोजन किए और इसके बाद झाबुआ में हिंसा हुई. ओडिसा में स्वामी लक्ष्मणानंद ने अपना काम शुरू किया और इसके नतीजे में सन् 2008 में कंधमाल हिंसा हुई। इसके पहले सन् 1999 में बजरंग दल के दारा सिंह ने पॉस्टर ग्राहम स्टेन्स की हत्या कर दी थी. उनपर यह आरोप था कि वे भोले–भाले आदिवासियों को ईसाई बना रहे हैं. इस घटना की जांच करने वाले वाधवा आयोग के अनुसार पॉस्टर स्टेन्स न तो धर्म परिवर्तन करवा रहे थे और ना ही उस इलाके, जिसमें वे सक्रिय थे, में ईसाई आबादी के प्रतिशत में कोई वश्द्धि हुई थी. धार्मिक स्वतंत्रता एक मानव और सामाजिक अधिकार तो है ही वह एक संवैधानिक अधिकार भी है. ईसाईयों और मुसलमानों के खिलाफ लक्षित हिंसा इस अधिकार का खुल्लम–खुल्ला उल्लंघन है।

स्वायत्त बहुजन राजनीति और कांशीराम की विरासत

दृडॉ. अजय खेमरिया–

क्या देश की संसदीय राजनीति में 'स्वायत्त दलित राजनीतिक अवधारणा' के दिन लद रहे हैं या राष्ट्रीय दलों में दलित प्रतिनिधित्व की नई राजनीति इसे विस्थापित कर रही है। कांग्रेस एवं भाजपा जैसे दलों में दलित नुमाइंदगी प्रतीकात्मक होने के आरोप के साथ बहुजन राजनीति की शुरुआत हुई थी। बड़ा सवाल आज यह है कि क्या उत्तर भारत में बहुजन राजनीति अपने ही अंतर्विरोधों से अप्रसांगिक होने के खतरे से नहीं जूझ रही है। अगले साल यूपी सहित पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव होने हैं, जिसकी बिसात बिछ चुकी है और ऐसे में सबकी निगाह मायावती के प्रदर्शन या सही मायनों में स्वायत्त दलित राजनीतिक अवधारणा के भविष्य पर भी टिकी हुई है।

असल में मायावती की सफलता और विफलता के साथ डॉ. अम्बेडकर और कांशीराम की उस दलित चेतना का सीधा संबन्ध भी है जिसे सामाजिक न्याय के साथ देखा जाता है। सवाल यह है कि क्या मायावती के साथ ही उस स्वायत्त दलित राजनीति का अंत भी हो जाएगा जिसे कांशीराम ने खड़ा किया था क्योंकि मौजूदा पूर्वानुमान यही इशारा कर रहे हैं कि उप्र में मायावती भाजपा और सपा की तुलना में पिछड़ सकती हैं। ऐसे में इस सवाल के समानांतर राष्ट्रीय दलों में दलित प्रतिनिधित्व की राजनीति को भी विश्लेषित किये जाने की आवश्यकता है। हाल ही में पंजाब में कांग्रेस ने रामदसिया दलित बिरादरी के सिख को मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बिठाया है तो भाजपा ने उत्तराखंड की राज्यपाल बेबी रानी मौर्य को इस्तीफा कराकर पार्टी का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया है।

जाहिर है राष्ट्रीय दल अब प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व को मजबूत करते हुए दीर्घकालिक चुनावी लक्ष्यों को साधने के लिए जुट गए हैं। बड़ा सवाल यही है कि क्या जिस तरह 2007 में मायावती ने अपने दम पर यूपी की सत्ता पर कब्जा कर स्वायत्त दलित राजनीतिक ताकत का खंबा ठोका था वह महज एक संयोग भर था।क्योंकि 2012 और 2017 के विधानसभा चुनाव हों या 2014 और 2019 के लोकसभा नतीजे, मायावती की बहुजन थियरी लगातार कमजोर होते हुए आज अपने अस्तित्व से क्यों जूझ रही है। इसके जवाब में दलित आंदोलन के नवसामंती तत्वों को समझने की आवश्यकता भी है क्योंकि मायावती कांशीराम की विरासत को संभालने में नाकाम साबित हुई हैं। डॉ. अम्बेडकर ने शिक्षित,संगठित दलित समाज की अवधारणा को गढ़ा था जिसे 90 के दशक में कांशीराम ने जमीन पर कुछ परिवर्तन के साथ उतारने का काम किया।

बेशक कांशीराम जाति को जाति से काटने की बुनियाद पर चले लेकिन उनके मिशन में एक सांस्कृतिक पुट भी था जो कतिपय ऐतिहासिक जातिगत अन्याय को उभार कर आगे बढ़ा था। कांशीराम ने प्रवास और अहंकार मुक्त सम्पर्क के बल पर दलित राजनीति की स्वायत्तता को आकार दिया। मायावती ने इसे एक एटीएम की तरह उपयोग किया और उस पक्ष को बिसार दिया जो कांशीराम के परिश्रम और सम्पर्क शीलता से जुड़ा था। नतीजतन मंडल और कमंडल की काट में खड़ा किया गया एक सफल दलित आंदोलन आज महज चुनाव लड़ने के विचार शून्य सिस्टम में तब्दील होकर रह गया। उत्तर प्रदेश में आज कोई भी पूर्वानुमान मायावती को 2007 की स्थिति में होने का दावा नहीं कर रहा है। आज दलित बिरादरी में मायावती और बसपा को जाटव एवं कुछ पॉकेट में मुस्लिम वोटों की ताकत तक आंका जा रहा है। कभी 30 फीसदी वोटों वाली मायावती दो लोकसभा चुनाव में उस कोर जाटव वोट को भी सहेज कर नहीं रख पाई जो कांशीराम के जमाने से इस पार्टी का सबसे सशक्त आधार था। बेशक आज भी यूपी में वह 20 फीसदी से ज्यादा मत प्रतिशत पर काबिज है लेकिन जिन गैर जाटव और गैर यादव ओबीसी वोटों के साथ बहुजन आंदोलन कांशीराम ने खड़ा किया था उसकी उपस्थिति मायावती के साथ नहीं है।

2014 में अमित शाह ने जिस सोशल इंजीनियरिंग को उप्र में अंजाम दिया था वह 2019 में भी कायम नजर आई और अब खतरा बहुजन आंदोलन के सामने यह खड़ा है कि जाटव कोर वोट में भी भाजपा सेंधमारी की फूल प्रूफ तैयारी के साथ मैदान में उतर चुकी है। बेबीरानी मौर्य मायावती की उसी जाटव जाति से आती हैं और प्रदेश के सभी 75 जिलों में उनके दौरे एवं सम्पर्क सभाओं का प्लान पार्टी ने तय किया है। खासकर जाटव महिलाओं के बीच। उधर प्रियंका गांधी और चंद्रशेखर रावण एवं जिगनेश मेवानी की केमिस्ट्री भी जाटव वोटरों के इर्द–गिर्द दिखती है। जिस रामदसिया दलित जाति से कांशीराम आते थे पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी भी उसी जाति से हैं। ऐसे में कांशीराम की विरासत पर मायावती को चुनौती भाजपा के साथ कांग्रेस से भी सीधे मिलनी है।

जाहिर है मायावती के भरोसे जिस स्वायत्त दलित राजनीति का सपना कांशीराम ने देखा था वह मायावती के सामंती व्यवहार से फिलहाल संकट में नजर आ रहा है। उप्र में जाटव जाति की संख्या कुल 20 फीसदी दलित में 12 फीसदी गिनी जाती है और जाटव बिरादरी के युवा बढ़ी संख्या में चंद्रशेखर की भीम आर्मी से जुड़ रहे हैं। यानी मायावती जिस सकल डीएस 4 और बामसेफ की जमीन पर खड़ी थी वह जमींदोज हो रही है। नव सामंती बुराइयों ने दलितों के अंदर से ही स्वायत्त दलित सत्ता की संभावनाओं को खारिज करना शुरू कर दिया है। यह स्थिति दलितों के अंदर सामंती स्थितियों की उपज ही है क्योंकि जाटवों के एक वर्ग को छोड़कर मायावती ने अन्य दलितों को सत्ता और वर्चस्व में भागीदारी को स्वीकार ही नहीं किया। डॉ अंबडेकर और कांशीराम जिस समावेशी सत्ताई दलित भागीदारी की वकालत कर रहे थे वह मायावती के साथ नजर नहीं आती है। उन्होंने दलित चेतना के नाम पर खुद के महिमामंडन और विरासत की तानाशाह वारिस की तरह काम किया। विरासत की निधि को केवल चुनावी सिस्टम में तब्दील करके दलित आंदोलन के सामने खुद को एक मजबूरी के रूप में स्थापित किया।

नतीजतन आज उप्र में वे प्रासंगिकता की लड़ाई लड़ती हुई दिख रही हैं। संवाद या विमर्श मायावती के शब्दकोश में है ही नहीं। मप्र, उप्र, हरियाणा, पंजाब में कितने नेताओं को उन्होंने पार्टी से निकाल दिया जो कांशीराम के समय से सक्रिय थे। हाल ही में पंजाब के अध्यक्ष समेत अन्य नेताओं के साथ भी यही व्यवहार हुआ। पंजाब में अकालियों से गठबंधन के मामले में भी उनकी भूमिका संदिग्ध नजर आई है।

ईमानदारी से देखें तो मायावती और कांशीराम के व्यक्तित्व एवं कृतित्व में कोई भी बुनियादी साम्य नहीं है। कांशीराम का व्यक्तित्व ऐसा था कि वो तुरंत ही आमलोगों, खासकर बहुजन महिलाओं से जुड़ जाते थे। ऐसी कई महिलाएं थीं जिन्होंने कांशीराम के बहुजन संघर्ष का नेतश्त्व किया लेकिन आज उन्हें कोई नहीं जानता है। कांशीराम आंदोलन से जुड़े हर व्यक्ति की अहमियत को समझते थे। वे अक्सर काडर के सदस्यों के घर चले जाते थे और उनके पास ठहरकर लंबी बातचीत किया करते थे। मायावती कभी किसी कार्यकर्ता के घर गई हों यह किसी को नहीं पता। संवाद तो दूर उनसे पार्टी के बड़े नेताओं का मिलना तक कठिन होता है। वे कभी जमीन पर आंदोलन करती हुई नजर नहीं आई। उनकी सभाओं में कुर्सी ऊंची और सबसे दूर लगाई जाती है। दौलत से उनके अनुराग को यह कहकर खारिज किया जाता है कि क्या दौलतमंद होना केवल सवर्णों का अधिकार है लेकिन उनके वकील यह भूल कर गए कि दौलत का वितरण दलितों के एक सिंडिकेट से आगे कभी हुआ ही नहीं है।

एक ऐसा सामंती आवरण मायावती के ईर्द–गिर्द खड़ा हुआ मानो वे दैवीय अवतार हो। स्वयं मायावती और उनके पैरोकार यह भूल गए कि कांशीराम मायावती को उनके घर से बुलाकर खुद लाये थे। वस्तुतः कांशीराम नीचे जमीन से उठे हुए नेता थे, जिनका आम लोगों के साथ एक गतिशील रिश्ता था। वो असली मायनों में एक बड़े नेता थे। आज अगर चंद्रशेखर रावण के साथ पढ़े–लिखे जाटव युवा जुड़ रहे हैं तो इसके पीछे मायावती का यही दैवीय आवरण जिम्मेदार है।दूसरी तरफ बेबीरानी मौर्य, प्रियंका रावत जैसी दलित महिलाओं को बीजेपी जाटव बिरादरी में आगे रखकर चल रही है तो इसका मतलब साफ है कि बसपा की कोर पूंजी बिखरने के कगार पर है। साथ ही एक नई राजनीतिक धारा के स्थापित होने की स्थितियां भी निर्मित हो रही है वह है राष्ट्रीय दलों में दलितों की प्रतीकात्मक नही दीर्घकालिक भागीदारी। सामाजिक न्याय और बहुजन आंदोलन ने एक अनुमान के अनुसार दलित और पिछड़े वर्ग के महज 10 जातीय समूहों को नुमाइंदगी दी है शेष 40 जातीय समूह आज भी सामाजिक न्याय के मामले में हाशिये पर ही हैं। क्या बसपा के पराभव के साथ दलितों का स्वाभाविक प्रतिनिधित्व राष्ट्रीय दलों में लोहिया के जुमले के अनुरूप कायम हो पायेगा। यह आने वाले समय में भारतीय संसदीय राजनीति का देखने वाला पक्ष होगा। फिलहाल तो स्वायत्त दलित राजनीति की अवधारणा अस्ताचल की ओर कही जा सकती है। जिसका मूल कारण अम्बेडकर और कांशीराम के वारिसों का सामंती व्यवहार ही माना जाना चाहिये।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

जरा पाक परस्तों का नंगा नाच तो देखो

दृआर.के. सिन्हा–

भारत–पाकिस्तान के बीच टी–20 ओवर वर्ल्ड कप के पहले मैच के दौरान जिस तरह से कश्मीर और पंजाब में पाकिस्तान परस्तों ने खुलकर भारत विरोधी नारेबाजी, आतिशबाजी करके जश्न मनाया उसे सारे देश ने देखा। इसे कहते हैं, एहसान फरामोशी। ये जिस देश में रहते हैं या जहां का खाते हैं, उस देश के साथ ही गद्दारी करते हैं। इनकी आत्मा यह सब करने की इजाजत कैसे देती है। क्या यही इनके मजहब में सिखाया जाता है कि जिस थाली में खाओ उसी में छेद करते रहो ! यह देशद्रोह का सीधा मामला है।

पाकिस्तान की भारत पर जीत पर श्रीनगर के एसकेआईएमएस मेडिकल कॉलेज के छात्रों और गवर्मेंट मेडिकल कॉलेज की छात्राओं के जश्न मनाने के आरोप में यूएपीए की धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया गया है। यूएपीए की धाराओं में अगर किसी की गिरफ्तारी होती है तो उसे बेल मिलना तो मुश्किल हो ही जाता है। इस कानून का मुख्य मकसद आतंकी गतिविधियों को रोकना है। इस कानून के तहत पुलिस ऐसे आतंकियों, अपराधियों या अन्य लोगों को पकड़ती है, जो आतंकी गतिविधियों में शामिल होते हैं। इन दोनों कॉलेजों के स्टूडेंट्स पर टी–20 वर्ल्ड कप के दौरान पाकिस्तान के समर्थन में नारेबाजी करने का मामला है। यह मात्र आरोप नहीं है। इन विद्यार्थियों को सारे देश ने पाकिस्तान के हक में नारेबाजी करते देखा है। नारेबाजी करने वाले इनके वीडियो पूरे विश्व में वायरल हो चुके हैं। पंजाब के दो निजी शिक्षण संस्थानों में पढ़ने वाले कश्मीर के छात्रों ने भी मैच के दौरान पाकिस्तान के हक में नारेबाजी की थी। एक घटना संगरूर शहर के बाहरी इलाके में स्थित भाई गुरदास इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में हुई, जबकि दूसरी मोहाली जिले में हुई। इन छात्रों को इन्हीं कॉलेजों में पढ़ने वाले उत्तर प्रदेश और बिहार के छात्रों ने कसकर पीटा भी। हालांकि इन्हें कश्मीरी छात्रों की हरकतों की जानकारी पुलिस को दे देनी चाहिए थी। लेकिन, कोई भी राष्ट्र भक्त भारत के खिलाफ खुलकर नारेबाजी को कैसे सहन करेगा ? राजस्थान में भी एक स्कूल की टीचर ने पाकिस्तान की जीत पर अपने फेसबुक स्टेट्स पर लिखा– हम जीत गए। जब उसकी कड़ी प्रतिक्रिया हुई तो उसने माफी मांगी। पर तब तक बहुत देर हो चुकी थी। उसे तो नौकरी से निकाला जा चुका था। अब यही अच्छा रहेगा कि वह पाकिस्तान जाये और वहां अपने मन मुताबिक नौकरी ढूँढ लें।

जरा गौर करें कि भारत में अब भी कितने आस्तीन के सांप सक्रिय हैं। इन पाकिस्तान परस्तों को जानते ही होंगे पाकिस्तान के गश्ह मंत्री शेख राशिद। तब ही तो उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की भारत पर जीत से भारत के मुसलमान खुश होंगे। हालांकि बड़बोले शेख राशिद ने भारत के सभी करोड़ों मुसलमानों की भारत के प्रति निष्ठा पर सवाल खड़े करके अपनी घटिया मानसिकता को ही दर्शाया। वे नहीं जानते कि भारत का औसत मुसलमान राष्ट्रवादी ही है। हां, कश्मीरी मुसलमानों को इस कैटेगरी में शामिल नहीं किया जा सकता है। इन्हें पिछले 70 सालों में भारत सरकार ने सब कुछ दिया पर ये लगभग पाकिस्तान के हक में ही खड़े रहे। ये भारतीय फौजियों पर पत्थर फेंकते रहे और वे बेचारे सरकारी आदेश के अभाव में चुपचाप सहते रहे।

पाकिस्तान की जीत पर हमारे यहां आतिशबाजियां हो और जश्न मनाया जाए इस पर पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर और वीरेंद्र सहवाग का भड़कना स्वाभाविक ही है। इन्होंने ट्विटर पर ऐसा करने वालों को जमकर लताड़ा। भाजपा सांसद गंभीर ने टूक कहा, पाकिस्तान की जीत पर जो आतिशबाजी कर रहे हैं वो भारतीय नहीं हो सकते। हम अपने खिलाड़ियों के साथ खड़े हैं। इसके बाद भारतीय टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने भी ट्वीट कर सवाल पूछा कि जब पटाखे प्रतिबंधित हो गए हैं तो अचानक ये कहां से आ गए। उन्होंने आगे लिखा, देश के कई हिस्सों में पाकिस्तान की जीत का जश्न मनाने के लिए पटाखे फोड़े गए। अच्छा वे क्रिकेट की जीत का जश्न मना रहे होंगे, तो फिर दिवाली पर पटाखे फोड़ने पर क्या हर्ज है। यह पाखंड क्यों, सारा ज्ञान उन्हें तब ही याद आता है।

देखिए वैसे तो किसी भी खेल का हिस्सा है जीत और हार। इसलिए भारतीय टीम के हारने से कोई आफत नहीं आ गई है। हमारी टीम की क्षमताओं

सामुदायिक शौचालय जंगल झाड़ियों में हुआ तब्दील

आइए आपको एक झलक दिखाते हैं ग्राम पंचायत फत्तेपुर मतिनपुर के विकास कार्यों की

अवध की आवाज ब्यूरो

सीतापुर। ब्लाक हरगांव की ग्राम पंचायत फत्तेपुर मतिनपुर में प्रधानमंत्री द्वारा स्वच्छता अ भियान के तहत हर ग्राम पंचायत में सामुदायिक शौचालय निर्माण करवाने के लिए ग्राम पंचायत प्रधान व ग्राम पंचायत अधिकारी के देखरेख में बनवाने का आदेश किया जिसकी अनुमानित लागत लगभग रु500000 रखी गई सरकारी धन का ग्राम प्रधान व ग्राम सचिव मिलकर किया जमकर बंदरबांट आपको बताते चलें ग्राम पंचायत फत्तेपुर मतिनपुर में विकास कार्य कागजों पर सिमट कर रह गया ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार प्रधान द्वारा सीसी रोड व खड़ंजा का निर्माण कागजों पर ही सिमट गया । धरातल पर नहीं आया इसी प्रकार नवनिर्वाचित प्रधान निर्मला देवी प्रधान प्रतिनिधि बब्बू सिंह द्वारा अभी तक ग्राम पंचायत में कोई भी विकास कार्य नहीं करवाया गया। वहीं पर वर्तमान प्रधान निर्मला देवी से की गई जानकारी तो उन्होंने बताया प्रधान हमको कोई भी जानकारी नहीं देते हैं जो भी विकास कार्य ग्राम पंचायत में करवाते हैं वह अपनी मनमर्जी से ग्राम पंचायत में विकास कार्य करते हैं। ग्रासम पंचायत में पंचायत भवन का निर्माण कराया जा रहा है वह भी मानक विहीन मटेरियल से कराया जा रहा है। पुराने प्रधान से लेकर नवनिर्वाचित प्रधान तक घोटाले का ही घोटाला करते जा रहे हैं ऐसी स्थिति में कैसे होगा ग्राम पंचायत में विकास यह तो समय ही बताएगा कि प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री द्वारा ग्राम पंचायत की जनता गो विकास कार्य के लिए पैसा दिया जाता है विकास कार्य कराया जाएगा या प्रधान वह ग्राम विकास अधिकारी अपनी जेब भरते जाएंगे।

सब रोगों का एक ही समाधान योग करो सुबह और शाम

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। इटियाथोक में क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ शिवाजी के निर्देशन में ग्राम सुखोई में पाँच दिवसीय निःशुल्क योग शिविर का आयोजन हुआ।योगाचार्य सुधांशु द्विवेदी द्वारा समस्त योग साधकों को योगाभ्यास करवाया गया। इस शिविर में बच्चें,जवान,बुजुर्ग एवं महिला वर्ग भी सम्मिलित हुए। योगाचार्य सुधांशु द्विवेदी ने कहा योग शिविर लगाने का उद्देश्य लोगों को तरह– तरह के आसन सिखाकर लोगों को योग के लिए जागरूक करना। जिससे लोग प्रतिदिन योग करें और विभिन्न प्रकार की बीमारियों से दूर रहें।योग प्रशिक्षण में योगाचार्य सुधांशु द्विवेदी के द्वारा योग साधकों की अवस्था के अनुसार विविध प्रकार के आसन, व्यायाम, ध्यान और प्राणायामों का अभ्यास कराते हुए उनसे होने वाले लाभों को बताया गया। इसमें कपालभाति, अनुलोम–विलोम, भ्रामरी और उद्गीथ प्राणायामों के साथ, सूर्य–नमस्कार, योगिंग जागिंग व्यायामों के साथ बच्चों की मेधा शक्ति को बढ़ाने के लिए ध्यान और खड़े होकर, बैठकर और लेटकर किये जाने वाले आसनों में वृक्षासन, ताड़ासन, त्रिकोणासन, पादहस्तासन, वीरभद्रासन, मकरासन, भुजंगासन, शलभासन, धनुरासन, मर्कटासन गोमुख आसनों के साथ अन्य योगात्मक गतिविधियों का अभ्यास कराया गया। योगाचार्य ने कहा कि युवा किसी भी राष्ट्र की सामाजिक और सांस्कृतिक विरासत को पीढ़ी दर पीढ़ी हस्तांतरित करने का सशक्त माध्यम हैं। अपनी प्राचीनतम विरासत योग के क्रियात्मक और सैद्धांतिक पक्षों का नियमित और निरंतर अभ्यास कर शरीर को निरोग बना सकते हैं। योग शिविर में श्याम सिंह, राजेश कुमार, अभिषेक, आदित्य सिंह, ओंकार सिंह,प्रिया शर्मा,स्वाति सिंह, रामअवतार,अभय तिवारी, विक्रांत सिंह सहित अन्य ग्रामवासी भी मौजूद रहे।

कानपुर महानगर में भारतीय जनता पार्टी का सदस्यता अभियान प्रारम्भ हुआ

अवध की आवाज ब्यूरो

कानपुर। शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी का सदस्यता अभियान प्रारम्भ हुआ । लखनऊ में देश के माननीय गृहमंत्री , भा.ज.पा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह जी ने सदस्यता अभियान का प्रारम्भ टोल फ्री नम्बर 7505403403 डायल कर किया । इसके साथ ही प्रदेश में सदस्यता अभियान की शुरूआत हुयी । आज भा.ज.पा कार्यालय नवीन मार्केट में जिलाध्यक्ष सुनील बजाज के नेतृत्व में पूरे कानपुर के 217 सेक्टरों में सदस्यता प्रारम्भ कर दी गयी । जिला कार्यालय में वर्चुअल माध्यम से प्रदेश कार्यालय से जुड़कर सभी कार्यकर्ताओं ने उक्त कार्यक्रम में भाग लिया। 2014 , 2017 2019 के चुनावों में भा.ज.पा की भारी सफलता के बाद पार्टी ने पुनः अपने सदस्य बढ़ाने के लिये सदस्यता की शुरूआत की । प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर कानपुर उत्तर में 2 लाख से अधिक सदस्य बनाने का लक्ष्य पूर्ण करने के लिये जिलाध्यक्ष सुनील बजाज ने सभी कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया । भारतीय जनता पार्टी द्वारा किये गये मील के पत्थर वाले कार्य जोकि पिछले 70 वर्षो से लम्बित पडे हुये थे . जैसे राममन्दिर , धारा 370 , 35 ए चुटकियों में पूर्ण किया । साथ ही स्वच्छ भारत मिशन योजना के अन्तर्गत शौचालयों के निर्माण , गरीबों को आवास , उज्जवाला योजना के अन्तर्गत निःशुल्क गैस वितरण , आयुष्मान योजना के अन्तर्गत मुफ्त इलाज , फसल बीमा योजना , रिकार्ड अन्य खरीद , कन्या सुमंगल योजना में गरीब बेटियों की शादी , मुफ्त अनाज वितरण के साथ ही कारोना की मुफ्त वैक्सीन आदि भा.ज.पा सरकार में अन्य सरकारों से इतर सभी वर्गो , सभी जातियों तक लाभकारी योजनाओं की प्राप्ती हुयी , जिससे समाज का हर वर्ग अपने आपको सरकार से जुड़ा पाता है तथा मोदी जी के सबका साथ , सबका विश्वास , सबका विकास , जमीन पर पर्णित हुआ है , जिनसे देश और प्रदेश की जनता में भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में रुझान है । आज देश का सर्वाधिक युवा भारतीय जनता पार्टी का सदस्य है और नये युवा भा.ज.पा की सदस्यता ग्रहण करना चाहता है । कानपुर के सभी 1262 बूथों पर 100–100 सदस्य बनाने का लक्ष्य के साथ सभी 7 मोर्चों में युवा , महिला , अनूसूचित , पिछड़ा , किसान , अल्पसंख्यक , अनुसूचित जनजाति को 10–10 हजार नये सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया गया है । भा.ज.पा के सभी वरिष्ठ कनिष्ठ , जनप्रतिनिधि , को 100–100 सदस्य बनाने है । जिलाध्यक्ष सुनील बजाज जी ने बताया भा.ज. पा कानपुर उत्तर उक्त लक्ष्य को समय से प्राप्त करेगा। सदस्यता कार्यक्रम में वीरेश त्रिपाठी , सन्तोष शुक्ला , जितेन्द्र शर्मा , अवधेश सोनकर , सत्यम , पारस मदान , सुनील जायसवाल , जावेद , रोहित , दीपक चौहार , रमाशंकर , रवि पाण्डेय , परमानंद शुक्ला लोग उपस्थित रहे।

कार्यदिवस के प्रथम दिन पर श्री गांधी महाविद्यालय डिग्री कॉलेज में नवनियुक्त प्राचार्य ने की मीडिया कर्मियों से बातचीत

अवध की आवाज ब्यूरो

सिधौली–सीतापुर। श्री गांधी महाविद्यालय डिग्री कॉलेज सिधौली में डॉ धर्मेंद्र कुमार सिंह जी दिनांक 28 अक्टूबर बृहस्पतिवार को प्राचार्य के पद पर चयनित होकर कार्यभार संभाला डॉ धर्मेंद्र कुमार सिंह इससे पूर्व साकेत

महाविद्यालय अयोध्या में शिक्षण कार्य कर रहे थे इन्होंने 2009 से 2015 तक कालपी महाविद्यालय जालौन में प्राचार्य का पदभार संभाला इसके पश्चात 2015–16 में रामनगर पीजी कॉलेज बाराबंकी में प्राचार्य रहे , डॉ० राम मनोहर लोहिया अवध यूनिवर्सिटी अयोध्या में 3 वर्ष का इनका कार्यकाल रहा इसके साथ ही साथ पहले दिन पर ही प्राचार्य जी ने कुछ योजनाओं के बारे में संकल्प लिया छात्र छात्राओं के अध्यापन के माहौल को एक नए दौर में ले जाने की संकल्पना तथा उत्तर प्रदेश की जो योजनाएं हैं उसके अंतर्गत छात्र को सीधा लाभ हो एवं एक ऐसा पाठ पठन योजना का निर्माण करना जिससे छात्र– छात्रों को लगे कि हम नई शिक्षा नीति के तहत शिक्षा में जुड़ रहे हैं जिन सभी शिक्षण सुविधाएं जिससे छात्र अभी तक महाविद्यालय में वंचित रहे हैं प्राथमिकता के स्तर पर उन सुविधाओं को उपलब्ध कराना इसके साथ – साथ महाविद्यालय स्तर पर छात्रों के खेलकूद की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए उनके प्रशिक्षण एवं खेलकूद संबंधित कार्यक्रमों को जारी रखना। प्राचार्य जी ने कहा कि जो छात्र जिस किसी प्रतिभा में दक्ष है उनको उस क्षेत्र में बढ़ने का मौका दिया जाए छात्रों को कौशल विकास योजना से जोड़कर कुटीर उद्योग संबंधित व अन्य क्षेत्र में जुड़ कर लाभ दिलाया जाए व प्राचार्य जी ने कहा कृषि स्नातक बीएससी एजी को डिग्री कॉलेज में शामिल करने व एनसीसी राष्ट्रीय कैडेट कोर को श्री गांधी महाविद्यालय डिग्री कॉलेज सिधौली मे लाने के हर संभव प्रयत्न करूंगा जिससे छात्र इनका लाभ उठा सकें।

आबकारी विभाग द्वारा अवैध शराब बरामद कर किया गया नष्ट

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। आबकारी आयुक्त महोदय उत्तर प्रदेश प्रयागराज द्वारा चलाए जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के क्रम जिलाधिकारी महोदय व जिला आबकारी अधिकारी महोदय गोण्डा द्वारा अवैध शराब के निष्कर्षण व बिक्री की रोकथाम हेतु जनपद के सभी आबकारी निरीक्षकों को निर्देशित किया गया है, जिसके अनुपालन में आबकारी निरीक्षक मनकापुर सत्येन्द्र सिंह द्वारा मुखबिर की सूचना पर आबकारी मनकापुर व तरबगंज की संयुक्त टीम द्वारा थाना मोतीगंज के गढ़ी, इमिलिया नई बस्ती व हरनाटायर में दविश दी गयी। ग्राम गढ़ी के उत्तर नहर के किनारे व गन्ने के खेतों में दविश के दौरान लगभग 20 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की गई तथा लगभग 2 कुंतल लहन मौके पर नष्ट की गई,तथा आबकारी अधिनियम की धारा 60 के तहत एक अभियोग पंजीकृत किया गया।

इमिलिया नई बस्ती व हरनाटायर से कोई बरामदगी नहीं हुई।आबकारी निरीक्षक मनकापुर सत्येन्द्र सिंह ने बताया कि अवैध कच्ची शराब की तस्करी करने वालों के खिलाफ लगातार कार्यवाही की जा रही है, जहाँ से भी अवैध कच्ची शराब के निष्कर्षण व बिक्री की सूचना प्राप्त होती है तो तत्काल कार्यवाही की जाती है और यह कार्यवाही आगे भी जारी रहेगी। दविश के दौरान टीम में आबकारी निरीक्षक मनकापुर सत्येन्द्र सिंह, आबकारी निरीक्षक तरबगंज अरुण कुमार सिंह, प्रधान आबकारी सिपाही राम मोहन सिंह, आबकारी सिपाही अतुल कुमार सिंह, श्यामानन्द,व महिला आबकारी सिपाही सुमन शामिल रहे।

यूपी : भाजपा बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को दिवाली का उपहार देगी

लखनऊ, (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश में भाजपा चुनाव से पहले 30 लाख से अधिक बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को दिवाली उपहार भेज रही है। उपहार स्वरूप मिठाई और कमल के आकार के मिट्टी के

दीपक दिए जाएंगे। प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष विजय बहादुर पाठक ने कहा, दिवाली के दौरान उपहार भेजने की परंपरा है। हम एक कैडर आधारित पार्टी हैं और दिवाली के शुभ अवसर पर, हम बस अपने कार्यकर्ताओं से जुड़ रहे हैं। उपहार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की विभिन्न विकास योजनाओं वाली पुस्तिकाएं भी शामिल हैं। इन्हें कार्यकर्ताओं को भेजा जा रहा है ताकि लोगों को योजनाएं समझाते समय ये काम आ सकें। भाजपा ने राज्य के शहरी क्षेत्रों में सरकार की मुफ्त आवास योजना के कई लाभार्थियों के लिए अयोध्या में नौ लाख मिट्टी के दीये जलाने का भी फैसला किया है। राज्य भर में आवास योजना (शहरी और ग्रामीण दोनों) के कई लाभार्थियों के लिए और 45 लाख मिट्टी के दीपक जलाए जाने हैं। अर्बन कॉन्कलेव के उद्घाटन के लिए लखनऊ की अपनी यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा नेताओं से आवास योजना के लाभार्थियों के लिए मिट्टी के दीपक जलाने के लिए कहा है।

बीज शोधन गोष्ठी आयोजित

अवध की आवाज ब्यूरो

सिधौली–सीतापुर। आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत केन्द्रीय एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन केन्द्र, लखनऊ द्वारा बीज शोधन अभियान चलाया गया। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केन्द्र, अम्बरपुर, सीतापुर द्वारा

चयनित सिधौली विकास खण्ड के गनेरा गांव में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में महिला एवं पुरुष किसानों को बीज शोधन के तरीकों एवं लाभ के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई, बीज शोधन का प्रदर्शन किया गया तथा प्रतिभागियों को बीज शोधन हेतु ट्राइकोडरमा पाउडर भी वितरित किया गया। गोष्ठी में एकीकृत नाशीजीव प्रबन्धन केन्द्र के फसल सुरक्षा अधिकारी डॉ0 धर्मेंद्र सिंह ने बीज शोधन पर प्रकाश डालते हुए बीज शोधित करने के तरीके के बारे में जानकारी प्रदान की तथा ट्राइकोडरमा द्वारा चने के बीज को शोधित करने की तकनीक का प्रदर्शन भी किया। गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए कृषि विज्ञान केन्द्र, अम्बरपुर के वैज्ञानिक डॉ0 विनोद कुमार सिंह ने बीज शोधन की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए बीज शोधन के तकनीकी बिन्दुओं पर चर्चा करते हुए कहा कि जिस प्रकार से हम अपने बच्चों को बीमारी से बचाने के लिए टीकाकरण करवाते हैं उसी प्रकार से आवश्यकता है कि हम अपने फसलों एवं पशुओं का भी टीकाकरण जरूर करें जिससे कीटों एवं बीमारियों से बचाव हो तथा जैव उर्वरकों से शोधन करने से पोषक तत्व प्रबन्धन में भी आसानी होगी। डॉ सिंह ने किसानों की आमदनी दोगुना करने हेतु विभिन्न तकनीकी पहलुओं की जानकारी प्रदान की जिससे खेती की लागत को कम किया जा सके, गुणवत्तायुक्त उत्पादन में वृद्धि हो एवं सही मूल्य प्राप्त हो सके। केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ0 उमेश कुमार सिंह ने मृदा शोधन एवं मृदा स्वास्थ्य प्रबन्धन पर विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान की। एकीकृत नाशीजीव प्रबन्धन केन्द्र के उपनिदेशक डॉ0 जी0 पी0 सिंह ने एकीकृत नाशीजीव प्रबन्धन तकनीक पर प्रकाश डालते हुए अपने सम्बोधन कहा कि आज मनुष्यों को खाद्य श्रृंखला के माध्यम से रसायनों के दुष्प्रभाव के कारण नाना प्रकार की बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। इससे निजात पाने के लिए हम लोगों को एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन तकनीक को अपनाना होगा जिससे हमारी खाद्य श्रृंखला में विषाक्त रसायन की मात्रा को कम किया जा सकेगा, गुणवत्ता युक्त उत्पादन को बढ़ाया जा सकेगा तथा उचित लाभ प्राप्त होगा। डॉ0 सिंह ने बताया कि आप लोगों को अपने बीज का शोधन ट्राइकोडरमा पाउडर से अवश्य करना चाहिए तथा गोबर की खाद में मिलाकर के इससे मृदा शोधन भी किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि समय – समय पर आप लोगों को आवश्यकतानुसार हमारे केन्द्र से प्रदर्शन के रूप में बीज शोधन हेतु ट्राइकोडरमा उपलब्ध कराया जाएगा।इस अवसर पर किसानों को बीज शोधन हेतु ट्राइकोडरमा पाउडर भी वितरित किया गया।

प्रोजेक्ट अलंकार योजनान्तर्गत जिले में माध्यमिक विद्यालयों की बदली जाएगी सूरत-डीएम

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति की बैठक सम्पन्न, जिले के 24 माध्यमिक विद्यालय चयनित

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। मिशन कायाकल्प के तहत प्राथमिक विद्यालयों का कायाकल्प कराने के बाद प्रदेश सरकार द्वारा अभिनव पहल करते हुए माध्यमिक विद्यालयों में प्रोजेक्ट अलंकार योजनान्तर्गत के तहत विद्यालयों का अनुरक्षण कार्य कराया जाएगा। गुरूवार को इस सम्बन्ध में कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी मार्कण्डेय शाही की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति की बैठक आयाजित हुई जिसमें जिले के 24 माध्यमिक विद्यालयों के कायाकल्प के सम्बन्ध में निर्णय लिया गया।

जिलाधिकारी ने कहा कि प्रोजेक्ट अलंकार योजनान्तर्गत जिले के 24 विद्यालयों का अनुरक्षण कार्य कराया जाएगा जिसमें विद्यालय की बाउन्ड्रीवाल,, छत व फर्श की मरम्मत, खिड़की–दरवाजे की मरम्मत, रंगाई–पुताई, शौचालय, पेयजल व्यवस्था, गेट की मरम्मत, दिव्यांग रैम्प की मरम्मत व निर्माण, खेल का मैदान, प्रयोगशाला निर्माण, मल्टी परपज हॉल, पुस्तकालय कक्ष, रेन वाटर हार्वेस्टिंग आदि का कार्य कराया जाएगा। समिति के सदस्य सचिवधजिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया कि जीआईसी, जीजीआईसी, राजकीय बालिका विद्यालय गिलौली, राजकीय हाईस्कूल बस्ती इटियाथोक, राजकीय बालिका हाईस्कूल अचलनगर, राजकीय बालिका हाईस्कूल जमदरा, राजकीय बालिका हाईस्कूल पेड़ारन, अभिनव विद्यालय कंसापुर, राजकीय हाईस्कूल दौलतपुर, राजकीय बालिका हाईस्कूल सिसई टिकरिया, राजकीय हाईस्कूल मुण्डेरवा माफी, राजकीय हाईस्कूल कौल्हुआ, राजकीय हाईस्कूल मछलीगांव, राजकीय हाईस्कूल महेवा गोपाल, राजकीय हाईस्कूल टेपरा कर्नलगंज, राजकीय बालिका हाईस्कूल त्यौरासी परसपुर, राजकीय बालिका हाईस्कूल रांगी तरबगंज राजकीय बालिका हाईस्कूल अकौनी बेलसर, राजकीय हाईस्कूल मधवापुर टिकरी

नवाबगंज, राजकीय हाईस्कूल सोनौली मोहम्मदपुर बेलसर, राजकीय हाईस्कूल पहाड़ापुर तथा राजकीय हाईस्कूल लौव्वा टेपरा का अनुरक्षण कार्य कराया जाएगा। बैठक में समिति के अध्यक्ष जिलाधिकारी ने जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देशित किया कि कनवर्जन्स के सम्बन्ध में विधिवत परीक्षण करा लें तथा अनुमन्यता के अनुरूप कार्य कराने हेतु कार्यों का चयन कराएं। यह भी निर्देश दिए कि तकनीकी समिति इस बात का सत्यापन कर लें कि किस विद्यालय में शासन से निर्धारित 12 पेरामीटर पर कराया जाना है। उन्होंने निर्देश दिए कि तकनीकी समिति के रिपोर्ट के आधार पर शीघ्र ही शासन को प्रपोजल भेजें जिससे शासन से बजट प्राप्त कर माध्यमिक विद्यालयों का अनुरक्षण कार्य शुरू कराया जा सके। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी शशांक त्रिपाठी, जिला विद्यालय निरीक्षक राकेश कुमार, डीपीआरओ सभाजीत पाण्डेय, एक्सईएन पीडब्ल्यूडी खण्ड–1 लाल जी, जीजीआईसी व जीआईसी के प्रधानाचार्य, दिवाकर मिश्रा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बहराइच में सड़क हादसे में दो सगे भाइयों की मौत

बहराइच ,(वेब वार्ता)। बहराइच के थाना कोतवाली देहात अंतर्गत बहराइच–गोंडा मार्ग पर नगरौर गांव के पास सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल पर सवार दो सगे भाइयों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक सुजाता सिंह ने शुक्रवार को बताया कि रसूलपुर सरैया निवासी दो सगे भाई मयंक (22) व ननके (18) बृहस्पतिवार की शाम बहराइच से गोंडा की ओर जा रहे थे। इस बीच नगरौर गांव के पास किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से दोनों घायल हो गए। उन्होंने बताया कि दोनों युवकों को 108 एम्बुलेंस द्वारा अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मश्त घोषित कर दिया। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और टक्कर मारने वाले वाहन की तलाश जारी है।

बहराइच में एक करोड़ रुपये से अधिक कीमत की चरस के साथ दो नेपाली तस्कर गिरफ्तार

बहराइच, (वेब वार्ता)। भारत–नेपाल सीमा पर स्थित बहराइच जिले के रूपईडीहा थानांतर्गत 'नो मैन्स लैंड' के निकट सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) व उत्तर प्रदेश पुलिस के संयुक्त दल ने बश्हस्पतिवार को नेपाल से तस्करी कर दिल्ली ले जाई जा रही तीन किलोग्राम से अधिक चरस के साथ दो नेपाली तस्करों को गिरफ्तार किया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार अंतरराष्ट्रीय बाजार में मादक पदार्थ की कीमत एक करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है। अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) अशोक कुमार ने शुक्रवार को बताया कि नेपाल सीमा पर पुलिस व एसएसबी के संयुक्त दल ने मुखबिर की सूचना पर संयुक्त गश्त के दौरान 'नो मैन्स लैंड' के नजदीक भारतीय क्षेत्र में संदिग्ध अवस्था में दिखे दो नेपाली युवकों की घेराबंदी कर उनकी तलाशी ली। पकड़े गए नेपाली युवकों के कब्जे से संयुक्त दल को 3.4 किलोग्राम चरस मिली। एएसपी ने बताया कि बरामद चरस की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत एक करोड़ रूपये से अधिक आंकी गयी है। पुलिस के अनुसार पकड़े गए चरस तस्कर नेपाल के बांके जिला निवासी संगम व रिजवान ने पूछताछ में बताया है कि बरामद चरस की आपूर्ति दिल्ली के पहाड़गंज क्षेत्र में किसी व्यक्ति को की जानी थी। एएसपी ने बताया कि दोनों नेपाली नागरिकों के खिलाफ मादक पदार्थ रोधी एनडीपीएस कानून के तहत मामला दर्ज कर उन्हें जेल भेजा गया है।

क्रिस्टन स्टीवर्ट के निर्देशन में बन रही पहली फिल्म के लिए कास्टिंग शुरू

लॉस एंजिल्स, (वेब वार्ता)। अभिनेत्री क्रिस्टन स्टीवर्ट ने द क्रोनोलॉजी ऑफ वॉटर के साथ निर्देशक बनने की यात्रा का शुभारंभ कर दिया है। वैराइटी अवार्डस सर्किट पॉडकास्ट के आगामी एपिसोड के लिए, स्टीवर्ट ने वैराइटी के साथ फीचर और इसकी वर्तमान स्थिति के बारे में बात की। स्टीवर्ट कहा कि इसके लिए हम अभी कास्टिंग कर रहे हैं। हम लंबे समय से इस बारे में

सोच रहे हैं। मैं बहुत उत्साहित हूं। इसमें समय लगता है। अब हम फिल्म की कास्टिंग कर रहे हैं। हम अपने लिडिया युकनविच को ढूंढ रहे हैं। स्टीवर्ट के अनुसार, वह संभावित निवेशकों को खोजने के लिए इस सप्ताह से फिल्म पर काम शुरु कर रही है। लेखक और निर्देशक के रूप में, स्टीवर्ट से पूछा गया कि क्या फिल्म में अल्फ्रेड हिचकॉक की तरह दिखने की उनकी कोई योजना है, जिस पर उन्होंने जवाब दिया कि नहीं। वास्तव में पिल्म में ऐसा कोई हिस्सा नहीं है। मुझे लगता है कि लिडिया की भूमिका निभाने वाले के आधार पर, मैं शायद उसकी बड़ी बहन की भूमिका निभा सकती थी लेकिन ऐसा हुआ नहीं। अभिनेता पाब्लो लैरेन की स्पेंसर में राजकुमारी डायना के रूप में अभिनेत्री को अपने प्रदर्शन के लिए कई पुरस्कार और नामांकन मिले है। नियॉन फिल्म ने उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री की दौड़ में सबसे आगे ला दिया है और यह उन्हें उनका पहला ऑस्कर नामांकन भी दिला सकती है।

शेर राणा सिंह पर बायोपिक बनाएंगे श्री नारायण सिंह

मुंबई, (वेब वार्ता)। विनोद भानुशाली ने श्री नारायण सिंह द्वारा निर्देशित शेर सिंह राणा के जीवन पर एक बायोपिक की घोषणा की है। शेर सिंह राणा एक कट्टर राजपूत थे। वह अफगानिस्तान के कंधार से चौहान वंश के 11

वीं शताब्दी के शासक पृथ्वीराज चौहान के अवशेषों को वापस लाए थे। राणा ने एक महान शासक के अवशेषों को वापस लाकर राजपूत समुदाय को गर्व महसूस कराया था। इससे पहले जब वह तिहाड़ जेल के कैदी थे, शेर सिंह राणा चार्ल्स शोभराज के बाद दूसरे व्यक्ति थे, जो इस उच्च सुरक्षा जेल से हिंसा से नहीं बल्कि दिमागी चाल से भाग निकले। नारायण सिंह ने कहा कि जब मैंने शेर सिंह राणा को पढ़ा, तो मैं उनकी यात्रा और उनके अनुभव को जानने के लिए उत्सुक था। वह एक ऐसे व्यक्ति हैं जो अपने जीवन में विभिन्न उतार–चढ़ावों से गुजरे हैं। उन्होंने आगे कहा कि कोई भी इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं कर सकता है कि जब उन्होंने तालिबान को चुनौती दी और अफगानिस्तान से हमारे सबसे महान शासकों में से एक पृथ्वीराज चौहान के अवशेष वापस लाए, तो उन्होंने अपने समुदाय को कैसे गौरवान्वित किया। मैं वास्तव में जानने के लिए उत्सुक था। उन्हें और अधिक और मुझे यकीन है कि दर्शकों को उनकी कहानी को बड़े पर्दे पर देखने में मजा आएगा। अपने नए प्रोडक्शन के रूप में एक वास्तविक जीवन की कहानी को चुनने के बारे में बात करते हुए, भानुशाली ने कहा कि शेर सिंह राणा ने एक घटनापूर्ण जीवन जिया है। यह उनका साहस था, अपने समुदाय के लिए लड़ने की उनकी इच्छाशक्ति और अकेले ही उन्होंने ऐसे काम किए जो गर्व का कारण बने। निर्देशक श्री नारायण सिंह टॉयलेटः एक प्रेम कथा जैसी दिलचस्प कहानियों को बताने के लिए जाने जाते हैं। निमार्ता जल्द ही कलाकारों की घोषणा करेंगे और अगले साल शूटिंग शुरू करने की योजना बना रहे हैं। शेर सिंह राणा पर बायोपिक विनोद भानुशाली, कमलेश भानुशाली, विशाल गुरनानी, विशाल त्यागी, मोहम्मद इमरान खान द्वारा निर्मित और जूही पारेख मेहता द्वारा भानुशाली स्टूडियो लिमिटेड और मातरगष्टी फिल्म्स के बैनर तले निर्मित है।

आर्यन खान को जमानत मिलने के बाद बहन सुहाना ने सोशल मीडिया पर किया भावुक पोस्ट

मुंबई, (वेब वार्ता)। क्रूज मादक पदार्थ मामले में गिरफ्तार, अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को बंबई उच्च न्यायालय के जमानत देने के बाद उनकी बहन सुहाना खान ने सोशल मीडिया पर पिता और भाई के साथ बचपन की तस्वीर साझा की। आर्यन के साथ तस्वीर साझा करते हुए सुहाना ने लिखा, '' मुझे तुमसे प्यार है।'' इस पोस्ट पर उन्होंने 'कमेंट' के विकल्प को बंद कर दिया है। गौरतलब है कि स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने तीन अक्टूबर को मुंबई के तट के पास, गोवा जा रहे एक क्रूज जहाज पर छापेमारी के बाद शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान (23) और कुछ अन्य लोगों को गिरफ्तार किया था। एजेंसी ने क्रूज जहाज से मादक पदार्थ जब्त करने का दावा किया है। इस मामले में आर्यन खान को बृहस्पतिवार को बंबई उच्च न्यायालय ने जमानत दे दी। सुहाना खान के अलावा, फिल्मकार जोया अख्तर, अभिनेता संजय कपूर और उनकी बेटी शनाया कपूर ने भी आर्यन के समर्थन में पोस्ट किया। खान परिवार के करीबी माने जाने वाले फिल्मकार करण जौहर ने एक शाहरुख के एक साथ एक तस्वीर साझा की। अभिनेत्री रवीना टंडन ने ट्वीट किया '' अभिभावक होने के नाते, मैं समझ सकती हूं कि ये दिन कैसे गुजरे होंगेकृकृ भगवान उन्हें शक्ति दे। उम्मीद करती हूं कि यह दिवाली खुशियों

से भरी होगी। न्यायमूर्ति एन. डब्ल्यू. साम्बरे की एकल पीठ ने आर्यन और इसी मामले में सह–आरोपियों अरबाज मर्चेंट तथा मुनमुन धमेचा को भी जमानत दे दी। आर्यन को तीन अक्टूबर को राष्ट्रीय स्वापक औषधि एवं मनः प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) कानून के तहत, मादक पदार्थ रखने, उनका इस्तेमाल करने और तस्करी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। आर्यन, शहर की आर्थर रोड जेल में बंद है। उनकी कानूनी टीम के औपचारिकताएं पूरी करने के बाद उन्हें शुक्रवार को रिहा किया जा सकता है। आर्यन को जमानत मिलने के बाद सोनम कपूर, स्वरा भास्कर, आर माधवन, फिल्म निर्माता हंसल मेहता और राहुल ढोलकिया सहित कई फिल्मी हस्तियों ने शाहरुख के साथ एकजुटता दिखाते हुए ट्वीट किए। शाहरुख के आवास 'मन्नत' के बाहर भी उनके प्रशंसकों का जमावड़ा लग गया था। कुछ लोगों ने वहां पटाखे भी जलाए और कुछ हाथ में तख्तियां लिए भी नजर आए, जिस पर लिखा था '' प्रिंस आर्यन, घर में आपका स्वागत है।

सेहत

एसिडिटी में जरूर अपनाएं ये घरेलू नुस्ख

एसिडिटी एक बहुत ही आम समस्या है जो हर दिन किसी ना किसी को होती ही है। जब एसीडिटी होती है तब सीने और छाती में जलन होने लगती है। खाने का सही तरीके से पाचन नही होता है जिससे बाद में घबराहट, खट्टी डकारों के साथ गले में जलन सी महसूस होती है। अगर आपको एसिडिटी, पेट दर्द और गैस जैसी समस्या है तो जरूर आजमांए ये घरेलू नुस्खे और पाएं एसिडिटी से राहत।

–खाली पेट रोज सुबह नींबू पानी पियें। इससे आपके पेट में कभी भी एसिडिटी नहीं होगी। आप इसको पी कर अपना वजन भी घटा सकते हैं।

–ग्रीन टी चाय पीने की जगह पर ग्रीन टी पियें क्योंकि इसमें एंटीऑक्सीटडेंट होता है जो इंफेक्शडन और एसिडिटी को जल्दग ठीक करता है। आप चाहें तो ग्रीन टी में नींबू का रस भी मिक्सह कर सकती हैं।

–एसिडिटी का पेट दर्द दूर करने के लिये फ्रिज में रखा ठंडा दूध बडेढ काम आ सकता है। अगर रात में एसिडिटी बनें तो ठंडा दूध पियें।

–एप्प ल साइडर वेनिगर एक गिलास ठंडे पानी में 1 छोटा चम्मठच एप्पबल साइडर वेनिगर मिक्सो करें और धीरे धीरे कर के पियें। इससे आपके पेट को राहत मिलेगी और इंफेक्शडन भी दूर होगा।

–छाछ या मठ्ठा छाछ में एक चुटकी नमक डाल कर पियें। आपको 5 मिनट में ही राहत मिल जाएगी। इसको बिना काली मिर्च डाले ही पियें।

–चावल का पानी चावल को खुले भगौने में पका कर उसका पानी निकाल कर उसमें नींबू का रस मिक्स। करें। इसे पियें और एसिडिटी से राहत पाएं।

फेसबुक ने अपना नाम बदलकर मेटा किया

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। सोशल नेटवर्किंग क्षेत्र की प्रमुख वैश्विक कंपनी फेसबुक अब मेटा प्लेटफॉर्म के नाम से जानी जाएगी। कंपनी का लोगो भी बदल दिया गया है और

इसके लोगो में अंग्रेजी के एफ की जगह अनंत को दर्शाने वाला चिह्न तथा उसके आगे मेटा लिखा हुआ है। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) मार्क जुकरबर्ग ने गुरुवार की रात यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि कंपनी आज जो कुछ कर रही है, उसके लिए फेसबुक नाम छोटा पड़ रहा था। उन्होंने कहा कि कंपनी आज केवल स्किन पर कुछ देखने की सुविधा मात्र ही नहीं दे रही है, बल्कि एक ऐसा आभासी वातावरण प्रदान करती है, जिसमें आप चीजों की गहराई तक जा सकते हैं। उन्होंने कहा, ष्वास्तव में आज यह परस्पर जुड़ी हुई सीमातीत आभासी दुनिया है, जहां लोग हैंडसेट और अन्य उपकरणों के साथ मिल सकते हैं, काम कर सकते हैं और खेल सकते हैं।

पेट्रोल डीजल में लगातार तीसरे दिन उबाल जारी

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में शुक्रवार को कच्चे तेल के उच्चतम स्तर पर पहुंचने के बीच घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगातार तीसरे दिन उबाल जारी रहा। सरकारी तेल विपणन कंपनियों ने इन दोंनों की कीमतों में शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन 35–35 पैसे प्रति लीटर की बढोतरी की जिसके बाद राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 108. 64 रुपये प्रति लीटर और डीजल 97.37 रुपये प्रति लीटर के सर्वकालिक रिकार्ड स्तर पर पहुंच गया। इस बढ़त के बाद मुंबई में पेट्रोल 114.47 रुपये और डीजल 105.49 रुपये प्रति लीटर , मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में पेट्रोल सबसे

महंगा 117.35 रुपये प्रति लीटर और डीजल 106.76 रुपये प्रति लीटर, पटना में पेट्रोल 112.42 रुपये और डीजल 104 रुपये प्रति लीटर, बेंगलुरू में पेट्रोल 112.43 रुपये और डीजल 103.35 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है। कोलकाता में भी पेट्रोल के 109.12 रुपये प्रति लीटर और डीजल 100.49 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच चुका है। राँची में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में मात्र 14 पैसे का अंतर रह गया है। पेट्रोल 102.87 रुपये और डीजल 102.73 रूपये प्रति लीटर पर है। दिल्ली एनसीआर के नोएडा में पेट्रोल 105.78 रुपये और डीजल 98.02 रुपये प्रति लीटर पर है। अभी देश के सभी प्रमुख शहरों में पेट्रोल की कीमत 105 रुपये प्रति लीटर को पार कर चुकी है। अधिकांश शहरों में डीजल भी शतक लगा रहा है। इस महीने में अब तक 29 दिनों में से 22 दिन इन दोनों की कीमतों में बढोतरी हुयी है। इस महीने में अब तक पेट्रोल 7.00 रुपये प्रति लीटर और डीजल 7.60 रुपये प्रति लीटर महंगा हो चुका है। बाजार अध्ययन एवं साख निर्धारण करने वाली कंपनी गोल्डमैन सैक्स ने अगले साल तक ब्रेंट क्रूड के 110 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचने की रिपोर्ट के बाद कल अमेरिकी बाजार में कच्चे तेल में तेजी रही। शुक्रवार को सिंगापुर में कच्चे तेल में कारोबार बढ़त के साथ शुरू हुआ। ब्रेंट क्रूड 0.22 डॉलर चढ़कर 84.54 डॉलर प्रति बैरल पर और अमेरिकी क्रूड 0. 05 डॉलर उठकर 82.86 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, दिल्ली में पेट्रोल 108.64 रुपये प्रति लीटर और डीजल 97.37 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया।

रोनाल्डो की राह पर चले वार्नर, संवाददाता सम्मेलन के दौरान हटायी कोका कोला की बोतलें

दुबई, (वेब वार्ता)। आस्ट्रेलिया के स्टार सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने क्रिस्टियानो रोनाल्डो की राह पर चलते हुए यहां चल रहे टी20 विश्व कप में संवाददाता सम्मेलन के दौरान अपने सामने

रखी कोका कोला की बोतलों को कुछ देर के लिये हटा दिया। आस्ट्रेलिया की श्रीलंका पर सात विकेट से जीत के नायक वार्नर ने संवाददाता सम्मेलन शुरू होने से कुछ देर पहले अपने आगे रखी 'सॉफ्ट ड्रिंक्स' की दोनों बोतलों को उठाया और मुस्कराते हुए कहा, ''क्या मैं इन्हें हटा सकता हूं। हालांकि मुझे इन्हें यहीं रखना है। उन्होंने दोनों बोतलों को वापस रखते हुए कहा, ''अगर यह क्रिस्टियानो के लिये अच्छा है तो मेरे लिये भी अच्छा है। यह सही है। रोनाल्डो ने यूरोपीय फुटबॉल चौंपियनशिप में संवाददाता सम्मेलन के दौरान अपने पास से शीतल पेय की बोतलों को हटा दिया था और रिपोर्टों के अनुसार इससे इस कंपनी को चार अरब डॉलर का नुकसान हुआ था। वार्नर का बोतलों को हटाने का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी चल रहा है लेकिन इसके नतीजों का अभी पता नहीं चला है। फिटनेस को प्राथमिकता देने वाले रोनाल्डो ने पुर्तगाल के हंगरी के खिलाफ यूरो कप के पहले मैच से पूर्व संवाददाता सम्मेलन में अपने आगे रखी कोका कोला की बोतलों को हटा दिया था। इस 36 वर्षीय स्ट्राइकर ने पानी की बोतल उठाकर पुर्तगाली में कहा, ''एग्वा'' जिससे यह लगा कि वह लोगों से 'सॉफ्ट ड्रिंक्स' के बजाय पानी को प्राथमिकता देने का आग्रह कर रहे हैं। पैंतीस वर्षीय वार्नर ने खराब फॉर्म से उबरकर 42 गेंदों पर 65 रन बनाये जिसमें 10 चौके शामिल हैं। इससे आस्ट्रेलिया ने 155 रन का लक्ष्य 17 ओवर में हासिल कर दिया।

अमेरिका ने म्यांमा में सैन्य प्रताड़ना की जांच कराए जाने की अपील की

वाशिंगटन, (वेब वार्ता)। म्यांमा में सेना द्वारा देशभर से हिरासत में लिए गए लोगों को सुनियोजित तरीके से प्रताड़ित किए जाने का खुलासा करने वाली 'द एसोसिएटेड प्रेस' (एपी) की रिपोर्ट के मद्देनजर अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को नाराजगी जताते हुए इसकी जांच की मांग की।

म्यांमा में मानवाधिकारों के लिए संयुक्त राष्ट्र के शीर्ष विशेषज्ञ ने भी सेना पर पुरजोर अंतरराष्ट्रीय दबाव बनाए जाने की अपील की है। अमेरिका में सांसदों ने कांग्रेस से अपील की है कि वह 'एपी' की रिपोर्ट के मद्देनजर कार्रवाई करे। 'एपी' की रिपोर्ट महिलाओं एवं बच्चों समेत उन 28 लोगों के साक्षात्कारों पर आधारित है, जिन्हें फरवरी में म्यांमा में सैन्य तख्तापलट के बाद हिरासत में लिया गया था और बाद में रिहा कर दिया गया। विदेश मंत्रालय ने म्यांमा के लिए उसके एक अन्य नाम 'बर्मा' का इस्तेमाल करते हुए कहा, ''हम बर्मा के सैन्य शासन द्वारा देशभर में लोगों को सुनियोजित तरीके से प्रताड़ित किए जाने से आक्रोशित और व्यथित हैं।''

उसने कहा, ''बर्मा में लोगों को प्रताड़ित किए जाने की खबरों की विश्वसनीय जांच होनी चाहिए और इस प्रकार की प्रताड़ना के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।''

म्यांमा पर संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत टॉम एंड्रयू ने एक बयान में कहा, ''एपी की जांच इस बात पर महत्वपूर्ण रूप से प्रकाश डालती है कि जुंटा की आपराधिक प्रताड़ना मुहिम सुनियोजित और कितनी व्यापक है।''

उन्होंने कहा, ''हिरासत में बंद लोगों को प्रताड़ित करके मौत के घाट उतारे जाने की घटनाओं के प्रत्यक्ष गवाह रहे सैन्य कर्मियों का कबूलनामा और 'एपी' द्वारा प्रताड़ना एवं पूछताछ केंद्र स्थलों का खुलासा किया जाना जवाबदेह ठहराने के प्रयासों के लिए अहम होगा।''

प्रतिनिधि सभा की विदेश मामलों की समिति के शीर्ष रिपब्लिकन नेता माइकल मैक्कॉल ने इन निष्कर्षों के मद्देनजर सदन से 'बर्मा अधिनियम' पर मतदान करने का आग्रह किया। इस विधेयक के पारित होने से म्यांमा सेना के खिलाफ और प्रतिबंध लगाए जा सकेंगे।

प्रतिनिधि सभा की विदेश मामलों की समिति के डेमोक्रेटिक अध्यक्ष ग्रेगरी मीक्स ने भी विधेयक पारित किए जाने की संसद से अपील की। इसके अलावा मानवाधिकार समूहों ने भी इस मामले पर तत्काल अंतरराष्ट्रीय कार्रवाई किए जाने की अपील की है।

उल्लेखनीय है कि तस्वीरों संबंधी साक्ष्यों, रेखाचित्रों और पत्रों के साथ–साथ पूर्व सैन्य अधिकारियों की गवाही के आधार पर की गई 'एपी' की जांच तख्तापलट के बाद से अत्यंत गोपनीय हिरासत प्रणाली के बारे में समग्र जानकारी देती है। सेना और पुलिस ने फरवरी से 1,200 से अधिक लोगों की कथित रूप से हत्या कर दी है। 'एपी' ने साक्षात्कारों एवं उपग्रह से मिली तस्वीरों के आधार पर जेलों और पुलिस लॉकअप के अलावा म्यांमा में दर्जनों पूछताछ केंद्रों की पहचान की है।

पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा ने रिजर्व पुलिस लाइन गोंडा में शुक्रवार परेड का किया निरीक्षण, शारीरिक व मानसिक रूप से फिट रहने के लिए लगवाई दौड़, अनुशासन व एकरूपता बनाए रखने के लिए टोलीवार करवाई ड्रिल, दिए आवश्यक दिशा–निर्देश–

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। दिनांक 29–10–2021 को पुलिस अधीक्षक गोंडा संतोष कुमार मिश्रा ने पुलिस लाइन परेड ग्राउंड में साप्ताहिक शुक्रवार परेड की सलामी ली तथा परेड व आरटीसी रिक्रूटों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के पश्चात पुलिस अधीक्षक ने शारीरिक एवं मानसिक रूप से फिट रहने के लिए परेड को दौड़ लगवाई। परेड में एकरूपता व अनुशासन बनाए रखने के लिए टोलीवार ड्रिल करवाई जिसमें विशेषकर महिला टोलियों की ड्रिल देखकर उसे और बेहतर तरीके से कराने के लिए प्रतिसार निरीक्षक को निर्देशित किया व अन्य महत्वपूर्ण दिशा निर्देश भी दिए। पुलिस अधीक्षक ने अग्निशमन दल/पीआरवी वाहनों का निरीक्षण कर उपलब्ध समस्त आपातकालीन उपकरणों को चलवाकर चेक किया। तत्पश्चात पुलिस अधीक्षक ने पुलिस लाइन निरीक्षण के दौरान क्वार्टर गार्ड को चेक किया। आदेश कक्ष में गार्द कमांडरों के रजिस्टरों की चेकिंग कर आवश्यक दिशा–निर्देश भी दिए। इस दौरान क्षेत्राधिकारी लाइन्स, प्रतिसार निरीक्षक, परिवहन शाखा प्रभारी,आरटीसी प्रभारी,तथा पुलिस लाइन के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

कालाबाजारी से गहराया खाद संकट ले रहा है किसानो की जानः प्रियंका

ललितपुर, (वेब वार्ता)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि भाजपा सरकार की उदासीनता और गैर जिम्मेदाराना रवैये के चलते खाद की कालाबाजारी चरम पर है और इससे उपजा संकट कर्ज में डूबे किसानो की जान ले रहा है। खाद के कारण जान गंवाने वाले किसानो के परिजनों से मिलने ललितपुर पहुंची प्रियंका ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि सरकार को किसानो की पीड़ा से कोई मतलब नहीं है। लखीमपुर से ललितपुर तक किसान परेशान है। सरकार की नीतियों के चलते किसान कर्ज में डूबा हुआ है। खाद के लिये लाइन में खड़े किसान जान गंवा रहे है। खाद की कालाबाजारी चरम पर है। एक एक बोरी के लिये किसानो को दो दो दिनो तक लाइन में खड़ा होना पड़ रहा है। एक बोरी दो हजार रूपये की मिल रही है जिसमें 50 किलो की जगह सिर्फ 45 किलो खाद दी जा रही है। यह कालाबाजारी नहीं तो और क्या है। खाद की कालाबाजारी में अधिकारियों और नेताओं की भूमिका की जांच होनी चाहिये। उन्होने कहा कि सिर्फ ललितपुर में अब तक दो किसानो की लाइन में लगे लगे मौत हो चुकी है वहीं कर्ज के मकड़जाल में फंसे दो किसान आत्महत्या कर चुके हैं। किसानो का दर्द है कि अबकी बरसात ठीक हुयी थी मगर खाद की कमी उनकी फसल चौपट कर रही है। अब सूदखोरों का पैसा कहां से चुकायेंगे। प्रियंका ने कहा कि बुंदेलखंड में अन्ना पशुओं की समस्या विकराल है। किसानो को अपनी फसल बचाने के लिये रतजगा करना पड़ता है। देश के किसान महीनो से सड़क पर है मगर उनकी आवाज को या तो दबाया जाता है और या फिर टायरों से कुचला जाता है। उन्होने कहा कि लखीमपुर में मंत्री के बेटे ने किसानो की टायर से कुचल कर हत्या कर दी मगर भाजपा सरकार ने अपने मंत्री को नहीं हटाया। मंत्री के रहते क्या मामले की निष्पक्ष जांच हो सकेगा और क्या मश्तक किसान के परिजनो को न्याय मिल पायेगा। कांग्रेस किसानो के हक की लड़ाई जारी रखेगी। उनकी सरकार सत्ता में आती है तो काले कानूनों की वापसी के अलावा किसानो का पूरा कर्जा माफ किया जायेगा और उनकी उपज का उचित मूल्य दिया जायेगा। इससे पहले उन्होने पीड़ित किसान परिवारों से मिलकर उनकी पीड़ा साझा की और सभी किसान परिवारों का कर्ज चुकाने का वादा किया। पार्टी सूत्रों ने बताया कि किसान भोगी पाल और महेश कुमार बुनकर की खाद की लाइन में लगे थे। कई दिनों तक लाइन में लगे रहने के कारण उनकी हालत खराब हो गयी और उनकी मश्त्यु हो गयी। किसान सोनी अहिरवार और बब्लू पाल खाद न मिलने के कारण परेशान थ। उन्होने आत्महत्या कर ली। श्रीमती वाड्रा गुरूवार रात लखनऊ से ट्रेन के जरिये चल कर आज सुबह ललितपुर पहुंची थी जहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया।

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। पुलिस अधीक्षक महोदय उन्नाव के निर्देशानुसार जनपद उन्नाव में नगरीय/ग्रामीण क्षेत्रों में बालिकाओ / महिलाओं को जागरुक करने हेतु 'मिशन शक्ति फेज–3' के तहत चलाये जा रहे अभियान के क्रम में दिनांक 29.10.2021 को थाना गंगाघाट की मिशन शक्ति टीम द्वारा ज्वाला देवी इंटर कॉलेज में जागरूकता अभियान चलाया गया, जिसके तहत छात्राओं को विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरों 112,1090,102,108,181,1096,1098 आदि के विषय में विस्तृत जानकारी दी गई। वहीं थाना असोहा की मिशन शक्ति टीम द्वारा कालूखेड़ा चौराहे पर महिलाओं एवं बालिकाओं को आपात पुलिस सेवाओं के साथ–साथ पुलिस अधिकारियों के सीयूजी नम्बरों संबन्ध में जानकारी दी गई एवं आवश्यकता पड़ने पर तत्काल सहायता हेतु हेल्पलाइन नंबरों 112,1090,102,108,181,1096,1098 आदि के प्रयोग हेतु जागरूक किया गया।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954 मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com
R.N.I.- UPHIN/2012/45127
नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।